RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः47, मंगलवार, 31 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 ☎ 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

तृतीय दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न, सुरक्षा एवं ... 03

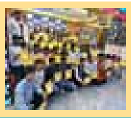

बीडीएस मेधा परीक्षा में मेधावियों का सम्मान, टॉपर को विधायक ने दिया कंप्यूटर 04

रेड स्टाइलिस ड्रेस में रकुल प्रीत ने दिखाईं अदाएं, फैंस बोले-खूबसूरत 07

होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी करने वाले ईरानी कमांडर की मौत

● इजराइल के हमले में घायल हुए थे तंगसीरी, ईरान बोला-ऑपरेशन पर असर नहीं पड़ेगा

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी से जुड़े आईआरजीसी नेवी चीफ अलीरेजा तंगसीरी की मौत की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। वे पिछले हफ्ते इजरायली एयरस्ट्राइक में गंभीर रूप से घायल हुए थे और बाद में उनकी मौत हो गई। रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के मुताबिक, तंगसीरी हमले के समय कोस्टल डिफेंस और मैरीटाइम ऑपरेशंस से जुड़े थे। उन्हें होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की नाकेबंदी का प्रमुख चेहरा माना जाता था, जिसके जरिए ईरान ने वैश्विक तेल सप्लाई पर

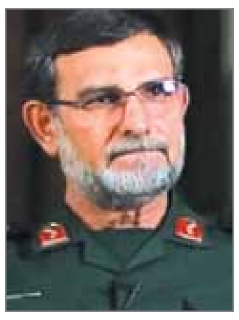

दबाव बनाया। ईरान ने उनकी मौत के बावजूद साफ किया है कि उसके सैन्य ऑपरेशंस पर कोई असर नहीं पड़ेगा और रणनीति पहले की तरह जारी रहेगी। गौरतलब है कि इजराइल के रक्षा मंत्री ने 26 मार्च को दावा किया था कि एक एयरस्ट्राइक में तंगसीरी को मार गिराया गया। ईरान ने लेबनान के निष्कासन आदेश को ठुकराते हुए कहा है कि उसका राजदूत बेरूत में ही अपना काम जारी रखेगा। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि राजदूत अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता रहेगा।

ईरान का अमेरिका से सीधी बातचीत से इनकार

ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की सीधी बातचीत से इनकार किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अब तक दोनों देशों के बीच सिर्फ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने बातचीत की इच्छा जताई है, लेकिन उसकी ओर से भेजी गई शर्तें अतार्किक हैं। बघाई ने कहा कि ईरान का रुख शुरू से स्पष्ट रहा है, जबकि अमेरिका बार-बार अपनी स्थिति बदल रहा है। ईरान ने यह भी कहा कि उसे पूरी तरह पता है कि वह किस ढांचे में बातचीत पर विचार करेगा। प्रवक्ता ने अमेरिकी कूटनीति पर तंज करते हुए कहा कि वहां खुद लोग उसके दावों को कितनी गंभीरता से लेते हैं। पाकिस्तान में हुई बैठकों पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरान ने कहा कि ये उनकी अपनी पहल है और तेहरान इसमें शामिल नहीं हुआ। उसने मिडिल-ईस्ट के देशों से कहा कि वे युद्ध खत्म करने की कोशिश करें, लेकिन यह भी ध्यान रखें कि संघर्ष की शुरुआत किसने की थी।

संक्षिप्त समाचार

जनगणना 2026 के पहले चरण में पूछे जाएंगे 33 सवाल

● ऑनलाइन पोर्टल पर भी दे सकेंगे जानकारी, मिलेगी यह सुविधा

● स्थिर रिश्ते वाले लिव-इन कपल को शादीशुदा का दर्जा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनगणना-2026 का पहला चरण 1 अप्रैल से शुरू हो रहा है। इसमें 33 सवाल पूछे जाएंगे। इसके मुताबिक, स्थिर रिश्ते में रहने वाले लिव-इन कपल्स को भी शादीशुदा माना जाएगा। ऐसा तब ही होगा जब कपल मानेगा कि उनका रिश्ता लंबा चलने वाला है। पहले फेज के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया गया है, जहां लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे। उनकी मदद के लिए इस पोर्टल पर अक्सर पूछे जाने वाले सवाल भी दिए गए हैं। यह चरण 'हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना' कहलाता है। इसका मकसद देश में घरों और बुनियादी सुविधाओं की जानकारी जुटाना है, ताकि सरकार बेहतर योजनाएं बना सके। दूसरे चरण में आबादी से जुड़ी डिटेल जानकारी ली जाएगी।

भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण कहते हैं, जनगणना की संदर्भ तिथि (रेफरेंस डेट) बहुत महत्वपूर्ण है। संदर्भ समय 1 मार्च की आधी रात है, जो 28 फरवरी 2027 और 1 मार्च 2027 के बीच पड़ती है। इस संदर्भ तिथि का उल्लेख 16 जून 2025 को जारी पहली अधिसूचना में किया गया था, जिसमें जनगणना कराने के इरादे की घोषणा की गई थी। इसी संदर्भ तिथि के कारण इसे जनगणना 2027 कहा जाता है।

जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी

सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिए जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। ये ऐप दोनों पर काम करेंगे। जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गिनती शामिल होगी। इससे पहले अंग्रेजों के समय 1931 तक जाति आधारित जनगणना हुई थी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने अप्रैल में लिया था। 2011 की पिछली जनगणना के अनुसार, भारत की आबादी करीब 121 करोड़ थी, जिसमें लगभग 51.5 फीसदी पुरुष हैं।

न्यूजीलैंड के साथ बड़ी डील की तैयारी में भारत

● पीएम मोदी की यात्रा जल्द, एफटीए पर हो सकता है साइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही न्यूजीलैंड की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस यात्रा के दौरान भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर महत्वपूर्ण चर्चा और प्रगति की उम्मीद है। यात्रा की तारीखों की औपचारिक घोषणा अभी बाकी है। विश्व व्यापार संगठन की 14वीं मंत्री स्तरीय बैठक के दौरान वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी की प्रस्तावित न्यूजीलैंड यात्रा को नई गति मिली है। दोनों पक्षों ने पीएम मोदी की आगामी यात्रा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। न्यूजीलैंड ने इस यात्रा को लेकर प्रबल उत्साह व्यक्त किया और कहा कि यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों की सूची को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री के साथ एक उच्च स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी जाने की

संभावना है, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। दरअसल, मंत्रियों ने हाल ही में हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए व्यापार समझौते की वार्ताओं पर चर्चा की।

मई में कनाडा जाएंगे पीयूष गोयल

इसी क्रम में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मई 2026 में कनाडा का दौरा करेंगे। इस यात्रा के दौरान वे व्यापार वार्ताओं और मुक्त व्यापार समझौते से जुड़ी चर्चाओं में हिस्सा लेंगे। गोयल की यह यात्रा भारत-कनाडा के बीच व्यापार संबंधों को नई गति देने और आर्थिक साझेदारी को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इन दोनों दौरों से भारत की व्यापक व्यापार कूटनीति को बल मिलने की उम्मीद है, जिसमें प्रमुख साझेदार देशों के साथ मजबूत आर्थिक संबंध स्थापित करना शामिल है। कैमरून के याउंडे में चल रही विश्व व्यापार संगठन की 14वीं मंत्री स्तरीय बैठक के दौरान पीयूष गोयल उपस्थित थे।

सरकार की प्रमुख संस्थाओं में बहुजनों की हो रही अनदेखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि सरकार की प्रमुख संस्थाओं में वरिष्ठ पदों पर बहुजनों की हिस्सेदारी नहीं है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अपने जनसंसद कार्यक्रम में ग्रामीण बैंक के

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के एक समूह से मुलाकात के बाद यह टिप्पणी की। वह समाज के विभिन्न वर्गों के समूहों से अक्सर मुलाकात करते हैं और इसे उन्होंने जनसंसद का नाम दिया है। राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जनसंसद में कुछ दिनों पहले ग्रामीण बैंक के एसी-एसटी के लोगों से मुलाकात हुई।

जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी ही होगी

● शाह ने कहा-अब बस्तर से लाल आतंक लगभग खत्म ● वामपंथियों ने भोले-भाले आदिवासियों को अंधेरे में रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में 'नक्सल मुक्त भारत' मुद्दे पर चर्चा के दौरान सरकार की तरफ से जवाब दे रहे हैं। उन्होंने कहा- जो लोग पूरी व्यवस्था को नकार कर हथियार उठा लेते हैं, ऐसा नहीं चलेगा। हथियार उठाने वालों को उसकी कीमत चुकानी होगी। शाह ने कहा- सालों से भोले-भाले आदिवासियों को अंधेरे में रखा गया। वामपंथियों ने अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए भोले भाले आदिवासियों को बहकाया।

कांग्रेस ने आजादी के बाद 75 साल में 60 साल राज किया। फिर आदिवासी विकास से क्यों बच गए। शाह ने कहा- कांग्रेस ने 60 साल के दौरान आदिवासियों तक घर, स्कूल, मोबाइल टॉवर नहीं पहुंचने दिया और अब हिसाब मांग रहे हैं। अपने गिरेबान में झांककर देखिए। जो लोग नक्सलवाद की वकालात करते हैं, उनसे पूछना चाहता हूं ये सब 1970 से अब तक क्यों नहीं हुआ था। संसद में आज नक्सलवाद पर चर्चा सरकार की तरफ से दी गई डेडलाइन खत्म होने से एक दिन पहले हो रही है। शाह कई बार 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद पूरी तरह से खत्म करने की घोषणा कर चुके हैं।

60 साल तो कांग्रेस सरकार में रही, किया क्या

70 में से 60 साल तो सरकार कांग्रेस की रही, फिर क्यों विकास नहीं हुआ। आपने क्यों नहीं किया विकास आज आप हिसाब मांग रहे हो। मैं पूरा बताऊंगा। वहां करोड़ों लोग गरीबी में वर्षों तक जीते रहे, किसी ने चिंता नहीं की। 20 हजार युवा मारे गए, कई दिव्यांग बन गए और उन तक विकास नहीं पहुंचा। कौन जिम्मेदार है। क्या देश की सबसे बड़ी पंचायत को इस पर चिंतन नहीं करना चाहिए। नक्सलवाद का मूल कारण विकास की डिमांड नहीं, एक आइडियोलॉजी है, जिसे एक राष्ट्रपति चुनाव के कारण इंदिरा गांधी ने स्वीकार कर लिया। मनमोहन ने कहा था-माओवादी देश की सबसे बड़ी समस्या : प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्वीकारा था कि जम्मू-कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट की तुलना में देश की आंतरिक सुरक्षा में सबसे बड़ी समस्या माओवादी है। 2014 में बदलाव हुआ। धारा 370 हटी, 35-ए हटा, राम मंदिर बना, सीएए का कानून आ गया है, विधायी मंडलों में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिला है।

नेवी कर्मचारी ने प्रेमिका के तीन टुकड़े किए, सिर जलाया

● एक हिस्सा बेड के नीचे, दूसरा फ्रिज में रखा

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक शादीशुदा नेवी कर्मचारी ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। आरोपी ने शव के 3 टुकड़े किए। एक हिस्सा फ्रिज में छिपा दिया, दूसरा बोरे में भरकर बेड के नीचे रख दिया और तीसरा यानी सिर को सुनसान इलाके में ले जाकर जला दिया। वारदात के समय पत्नी मायके गई थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी चिंतादा रविंद्र (35) नेवी कर्मचारी हैं। वह आईएनएस डेगा में तैनात है। रविंद्र ने रविवार दोपहर अपनी 29 साल की प्रेमिका मोनिका को घर बुलाया था। शाम के समय दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद उसने हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने खुद थाने पहुंचकर अपराध कबूल कर लिया। पुलिस के जांच में सामने आया कि रविंद्र ने मोनिका की चाकू से हत्या की। रविंद्र और मोनिका की मुलाकात 2021 में एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच संबंध बने। वे विशाखापट्टनम में अलग-अलग जगहों पर मिलते थे। पुलिस के मुताबिक रविंद्र का दावा है कि मोनिका ने उससे 3.5 लाख रुपए लिए थे। वह अक्सर रिश्ते का खुलासा करने की धमकी देती थी। वारदात के वक्त रविंद्र की पत्नी कुछ दिन पहले विजयनगरम स्थित अपने मायके गई हुई थी। इसी दौरान उसने मोनिका को घर बुलाया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था।

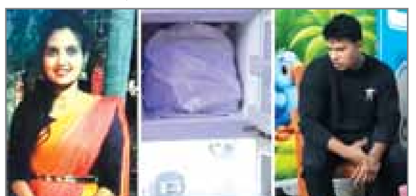

नीतिश का एमएलसी पद से इस्तीफा, मंत्री अशोक चौधरी रोए

● तेजस्वी यादव बोले-बीजेपी ने दबाव में इस्तीफा दिलवाया है

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतिश कुमार ने सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा विजय चौधरी और एमएलसी संजय गांधी लेकर विधान परिषद पहुंचे। मंत्री विजय चौधरी ने कहा, 'मुख्यमंत्री जी राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं। ये तो संवैधानिक प्रक्रिया है। आज उन्हें इस्तीफा देना था। उनका त्यागपत्र एमएलसी संजय गांधी ने विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह सौंप दिया है।' नीतिश कुमार के इस्तीफे के बाद मंत्री अशोक चौधरी भावुक नजर आए। वो फफक कर रोते दिखे। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा, बीजेपी ने मुख्यमंत्री से दबाव में इस्तीफा दिलवाया है। इधर, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का इस्तीफा बिहार बीजेपी के अध्यक्ष संजय सरावगी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार को सौंप दिया है।

निगरानी ब्यूरो की दोहरी कार्रवाई, भागलपुर में दो कर्मी व वैशाली में दारोगा रिश्वत लेते गिरफ्तार

पटना/भागलपुर/वैशाली। भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन सरकारी कर्मियों को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। इस दोहरी कार्रवाई को ब्यूरो की बड़ी सफलता माना जा रहा है। पहली कार्रवाई में निगरानी थाना कांड संख्या 036/26 के तहत भागलपुर सदर अनुमंडल कार्यालय में छापेमारी कर स्टेनो प्रेम कुमार और लिपिक मयंक कुमार को 70 हजार रुपये रिश्वत लेते उनके कार्यालय कक्ष से गिरफ्तार किया गया। दोनों पर एक प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी की सेवा संपुष्टि संबंधी फाइल विभाग को अग्रसारित करने के एवज में घूस मांगने का आरोप है। शिकायत के सत्यापन में आरोप सही पाए जाने के बाद पुलिस उपाधीक्षक विंध्याचल प्रसाद के नेतृत्व में धावा दल

का गठन किया गया और दोनों को रंगेहाथ दबोच लिया गया। दूसरी कार्रवाई निगरानी थाना कांड संख्या 037/26 में वैशाली जिले के पातेपुर थाना परिसर में की गई। यहां पु.अ.नि. अखिलेश कुमार सिंह को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि उन्होंने एक केस डायरी में मदद करने और अभियुक्त का नाम हटाने के एवज में रिश्वत की मांग की थी। सत्यापन में शिकायत सही मिलने के बाद पुलिस उपाधीक्षक सतेन्द्र राम के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाकर दारोगा को रंगेहाथ पकड़ लिया। निगरानी ब्यूरो ने बताया कि तीनों आरोपितों से पूछताछ के बाद उन्हें संबंधित विशेष निगरानी न्यायालय में पेश किया जाएगा। दोनों मामलों में आगे की अनुसंधान कार्रवाई जारी है।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा शब्बीर अहमद लोन दिल्ली में अरेस्ट

दिल्ली, तमिलनाडु में आतंकी मॉड्यूल तैयार कर रहा था; 2007 में भी गिरफ्तार हो चुका था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी शब्बीर अहमद लोन को दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह बांग्लादेश से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। पुलिस के मुताबिक, शब्बीर दिल्ली, कोलकाता और तमिलनाडु में आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती करने की तैयारी में था। यह पूरा नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर ऑपरेट हो रहा था। साल 2007 में भी दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद के आरोपों में लोन को गिरफ्तार किया था। 2019 में जमानत मिलने के बाद वह बांग्लादेश भाग गया था।

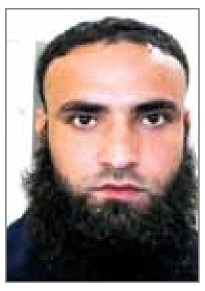

कश्मीर में लोन के 10 ठिकानों पर छापेमारी- काउंटर इंटेलीजेंस कश्मीर ने 26 मार्च को शब्बीर के आतंकी मॉड्यूल की जांच के लिए कश्मीर के तीन जिलों, गांदरबल, शोपियां और श्रीनगर के 10 ठिकानों पर रेड मारी थी।

पटना यूनिवर्सिटी में नीतिश के कार्यक्रम में भारी हंगामा

● छात्र बोले-हम कैंपस को बीजेपी ऑफिस नहीं बनने देंगे

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पटना यूनिवर्सिटी में एकेडमिक भवन और प्रशासनिक भवन का उद्घाटन करने पहुंचे। इस दौरान छात्र नेताओं ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान छात्रों ने पटना डीएम चोर है और डिप्टी सीएम गो बैक के नारे भी लगाए। सीएम के पहुंचने से पहले भी छात्र नेता नारेबाजी कर रहे थे। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ के अध्यक्ष शांतनु शेखर का कहना है कि इस कार्यक्रम के बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई थी। यहां तक कि कुलपति को भी इसके लिए निमंत्रण नहीं दिया गया है।

हंगामे के चलते सीएम ने 7 से 8 मिनट में अपना कार्यक्रम खत्म किया और वहां से निकल गए। इस दौरान मुख्यमंत्री कैंपस में जहां-जहां गए छात्र नेता उनके पीछे-पीछे जाते रहे। छात्रों ने कहा, आप अपने लिए खड़े होइए सर, हमलोग आपके साथ हैं। यूनिवर्सिटी को हम बीजेपी का कार्यालय नहीं बनने देंगे। छात्रों का कहना है सीएम को मिलने नहीं दिया गया। वो गए, लेकिन उनको बिना मिले भेज दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

आमवा गांव में महीनों से स्ट्रीट लाइट बंद, कचरा उठाव ठप होने से बढ़ी परेशानी

तुरकौलिया। तुरकौलिया प्रखंड के मथुरापुर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या एक के आमवा गांव में महीनों से स्ट्रीट लाइट खराब रहने और कचरा उठाव नहीं होने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। इस समस्या को लेकर ग्रामीण संजीव कुमार ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवेदन देकर अवगत कराया है। आवेदन में बताया गया है कि गांव में करीब एक दर्जन स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी, लेकिन सभी लाइटें लंबे समय से खराब पड़ी हैं। रात में अंधेरा रहने के कारण लोगों को आवागमन में कठिनाई होती है, वहीं चोरी की घटनाएं बढ़ने की भी आशंका बनी रहती है। इसके अलावा लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत नियमित कचरा उठाव नहीं होने से गांव में जगह-जगह कचरे का अंबार लगा हुआ है। इससे दुर्गंध फैल रही है और गंदगी के कारण संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने तत्काल सफाई सुनिश्चित करते हुए जमा कचरे को हटाने की मांग की है। आवेदन में खराब स्ट्रीट लाइटों की शीघ्र मरम्मत कराने की भी मांग की गई है, ताकि गांव में फिर से रोशनी व्यवस्था बहाल हो सके। इस संबंध में बीडीओ संतोष राज ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सपही वृतिया के दो वार्डों की बिजली गुल, 24 घंटे से अंधेरे में लोग, भोजन तक का संकट

तुरकौलिया। तुरकौलिया प्रखंड के सपही वृतिया वार्ड संख्या 3 और 4 में बिजली विभाग द्वारा सामूहिक रूप से बिजली आपूर्ति बंद कर दिए जाने से लोगों की परेशानी काफी बढ़ गई है। रविवार दोपहर करीब एक बजे से बिजली कटने के बाद दोनों वार्डों के लोग 24 घंटे से अधिक समय से अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी के बीच बिजली नहीं रहने से छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। रातभर उमस और अंधेरे के कारण लोग सो नहीं सके, वहीं बच्चे गर्मी से रोते-बिलखते रहे। कई परिवारों ने गैस सिलेंडर नहीं मिलने के कारण बिजली से चलने वाला चूल्हा खरीद रखा था, लेकिन बिजली कटने से उनके सामने भोजन बनाने का भी संकट खड़ा हो गया है। जिनके पास लकड़ी की व्यवस्था है, वे किसी तरह खाना बना पा रहे हैं, जबकि अन्य लोग होटल से खाना मंगाकर खाने को विवश हैं। उपभोक्ता अवधेश मांझी ने बताया कि गांव में घरेलू और व्यावसायिक दोनों तरह के उपभोक्ता हैं। विभाग की ओर से कहा गया है कि जब तक सभी लोग बकाया राशि जमा नहीं करेंगे, तब तक बिजली चालू नहीं की जाएगी। इससे समय पर बिल जमा करने वाले उपभोक्ता भी प्रभावित हो रहे हैं। वार्ड संख्या 3 के वार्ड सदस्य ने बताया कि रविवार दोपहर से बिजली काट दी गई है और अब तक ट्रांसफार्मर से आपूर्ति बहाल नहीं की गई। इससे पूरे इलाके में जनजीवन प्रभावित हो गया है। इस संबंध में विद्युत विभाग के जेई ने बताया कि बकाया राशि जमा नहीं करने के कारण बिजली काटी गई है। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन उपभोक्ताओं ने समय पर भुगतान किया है, उन्हें भी सामूहिक रूप से दंडित किया जा रहा है, जो उचित नहीं है।

पातेपुर थाने का दारोगा अरेस्ट, विजिलेंस ब्यूरो ने 15,000 रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

हाजीपुर। वैशाली में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने सख्त कार्रवाई करते हुए पातेपुर थाना में तैनात दारोगा (सब-इंस्पेक्टर) अखिलेश सिंह को 15,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ अरेस्ट कर लिया। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। निगरानी विभाग के डीएसपी सत्येंद्र राम के अनुसार, परिवादी चंदन कुमार ने लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि पातेपुर थाना में मामले के अनुसंधानकर्ता (आईओ) अखिलेश सिंह केस डायरी लिखने और मामले के निपटारे के बदले 15,000 की रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत के सत्यापन के बाद आरोप सही पाए गए, जिसके बाद निगरानी विभाग ने एक विशेष टीम का गठन किया। डीएसपी सत्येंद्र राम के नेतृत्व में 10 सदस्यीय टीम ने सोमवार को जाल बिछाया और जैसे ही दारोगा ने परिवादी से रिश्वत की रकम ली, टीम ने मौके पर ही उन्हें दबोच लिया। कार्रवाई में सुनील कुमार सिंह, रवि कुमार और रितेश कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी भी शामिल थे। गिरफ्तारी के बाद निगरानी टीम ने पातेपुर थाना परिसर में ही आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी दारोगा को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पटना स्थित निगरानी की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। निगरानी डीएसपी ने दो टूक कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त किसी भी सरकारी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में विभाग की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

165 चोरी मोबाइल बरामद, ऑपरेशन मुस्कान के तहत 40 लाख से अधिक के फोन मालिकों को सौंपे

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी और गुम हुए कुल 165 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इन मोबाइलों की कुल कीमत 40 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। यह कार्रवाई वैशाली जिले के हाजीपुर में की गई। मोबाइल बरामद होने की सूचना मिलने पर जिले के अलग-अलग इलाकों से 165 लोग एसपी कार्यालय पहुंचे। लंबे समय से खोए अपने फोन वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। वैशाली के पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने एसपी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सभी लोगों को बारी-बारी से उनके मोबाइल फोन सौंपे। इस दौरान लोगों ने पुलिस की कार्यशैली की सराहना की और धन्यवाद भी दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ऑपरेशन मुस्कान के तहत तकनीकी टीम की मदद से इन मोबाइल फोन को ट्रैक कर बरामद किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन को उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाना है। वैशाली पुलिस की इस पहल से लोगों का पुलिस पर भरोसा मजबूत हुआ है। यह दर्शाता है कि सतर्क पुलिसिंग और तकनीक के सही इस्तेमाल से आम जनता को बड़ी राहत मिल सकती है।

मैट्रिक में फेल छात्रा ने सुसाइड की कोशिश की, बच्ची को परिजनों ने फंदे से उतारा, गंभीर हालत में पटना रेफर

हाजीपुर। वैशाली के सदर थाना क्षेत्र के आस्तीपुर गांव में मैट्रिक परीक्षा में फेल होने के बाद एक 15 वर्षीय छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। गंभीर हालत में उसे हाजीपुर सदर अस्पताल से पटना पीएमसीएच रेफर किया गया है। घटना तब सामने आई जब छात्रा की बहन ने उसे फांसी पर लटका देखा और शोर मचाया। शोर सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और छात्रा को फंदे से नीचे उतारा। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने घायल छात्रा को आनन-फानन में हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। घायल छात्रा की पहचान आस्तीपुर गांव निवासी 15 वर्षीय करिश्मा कुमारी के रूप में हुई है। डायल 112 के पुलिसकर्मी विजय कुमार राघव ने बताया कि उन्हें शाम करीब 6:30 बजे कॉल मिली थी कि मैट्रिक में फेल होने के कारण एक लड़की ने फांसी लगा ली है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया।

युवक का अपहरण, 24 घंटे में बरामद, बकाया पैसे के विवाद में भागलपुर के 3 आरोपी गिरफ्तार

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने अपनी तत्परता का परिचय देते हुए एक अपहृत युवक को 24 घंटे के भीतर सुरक्षित बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। यह अपहरण पैसे के लेनदेन के विवाद को लेकर किया गया था। वैशाली एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि 27 मार्च को एनएच 22 पर स्थित सराय थाना को सूचना मिली थी कि कुछ अज्ञात लोगों ने कार सवार एक युवक का अपहरण कर लिया है। युवक की कार एनएच पर लावारिस हालत में खड़ी मिली थी।

पटना में पुरानी रंजिश में युवक को मारी गोली, पटना रेफर

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र के नदावां गांव स्थित पावर ग्रिड के पास देर रात पुरानी रंजिश में एक युवक को गोली मार दी गई। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर किया गया है। घायल की पहचान बख्तियारपुर प्रखंड के चकदौलत गांव निवासी बल्लम यादव के तौर पर हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई है। बदमाशों की धरपकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है।

दो हमलावरों की पहचान, छापेमारी जारी

कार सवार बदमाशों ने घेरकर की फायरिंग: यह घटना रात करीब 12 बजे की है। बल्लम यादव सकसोहरा से एक पार्टी से अपने घर लौट रहे थे। नदावां गांव के पास पावर ग्रिड के नजदीक एनएच-30ए पर कार सवार तीन से चार बदमाशों ने उनका पीछा किया और घेरकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली उनकी बांह में लगी, जिससे वे मौके पर ही गिर पड़े। बदमाश वारदात को अंजाम देकर कार सहित फरार हो गए।

अनुमंडलीय अस्पताल से पटना रेफर: स्थानीय लोगों की मदद से घायल बल्लम यादव को तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर उपचार के लिए पटना रेफर कर दिया।

दो हमलावरों की पहचान, छापेमारी जारी: एसडीपीओ-1 रामकृष्ण ने बताया कि, देर रात एक युवक को गोली लगी है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। युवक के पीठ में गोली लगी है और उसने कार सवार हमलावरों में से दो को पहचान लिया है। इस मामले में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सद्दाम हुसैन वारसी ने बताया कि, घायल के शरीर पर एक गोली लगने के निशान हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पटना रेफर कर दिया गया है।

रक्सौल में एससी/एसटी अत्याचार निवारण समिति की बैठक, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

रक्सौल। अनुमंडल सभागार में सोमवार को अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अनुश्रवण सह सतर्कता समिति एवं मैनुअल स्कैवेंजर रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम 2013 से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने की। बैठक के दौरान समिति सदस्यों ने अपनी समस्याओं और लंबित मामलों को विस्तार से रखा, जिसे अनुमंडल पदाधिकारी ने गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया। खास तौर पर सभी थाना प्रभारियों को लंबित चार्जशीटों का शीघ्र निस्तारण करने को कहा गया, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। इसके अलावा वासभूमि, आवास तथा अन्य जनसमस्याओं पर भी चर्चा हुई। अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित विभागों को इन मामलों में आवश्यक पहल करते हुए उचित दिशा-निर्देश जारी किए। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि पीड़ित एवं जरूरतमंद परिवारों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रशिक्षु आईपीएस सह रक्सौल थानाध्यक्ष हेमंत कुमार, हरैया थानाध्यक्ष किशन पासवान, प्रभारी अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी ब्रजेश कुशवाहा, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं समाजसेवी मौजूद रहे।

महिला ने की खुदकुशी, प्राइवेट जॉब कर चला रही थी घर

एजेंसी, पटना

पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र के छोटी पहाड़ी इलाके में एक 26 वर्षीय महिला ने आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान धनरूआ निवासी कविता देवी के रूप में हुई है। घटना का खुलासा रविवार शाम को हुआ। पुलिस को सूचना मिली कि छोटी पहाड़ी स्थित एक कमरे में महिला का शव फंदे से लटका हुआ है। सूचना मिलते ही अगमकुआं थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

♦ पति की मौत के बाद से थी परेशान, 3 बच्चे हुए बेसहारा

पारिवारिक परेशानी से जूझ रही थी महिला: जानकारी के अनुसार, कविता देवी पिछले कुछ समय से मानसिक और पारिवारिक परेशानी से जूझ रही थीं। उनके पति कमल किशोर विश्वकर्मा का निधन लगभग दो साल पहले हो गया था। पति की मौत के बाद तीन बच्चों की जिम्मेदारी कविता के कंधों पर आ गई थी। उनके बच्चे फिलहाल वैशाली जिले के महुआ स्थित अपने नानी घर में रह रहे हैं। पति की मौत के बाद जीवन यापन के लिए कविता लगभग सात महीने पहले छोटी पहाड़ी इलाके में एक किराए के मकान में रहने आई थीं। वह यहां एक प्राइवेट जॉब के जरिए अपना गुजारा कर रही थीं। अगमकुआं थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का बिहार विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा

एजेंसी, पटना

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। वह विधानसभा में पटना के बांकीपुर का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया, ''बांकीपुर और बिहार के मेरे सभी परिवारजन एवं कार्यकर्ता साथी, जनवरी 2006 में पिताजी के आकस्मिक निधन के बाद पार्टी ने मुझे पटना पश्चिम से उपचुनाव लड़ने का अवसर दिया और दिनांक 27 अप्रैल 2006 को मैं पहली बार पटना पश्चिम क्षेत्र से निर्वाचित होकर सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। पिछले 20 वर्षों में पिताजी, स्वर्गीय नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा द्वारा बनाए गए इस क्षेत्र को पारिवारिक भाव से सींचने, संवारने और विकास के पटल पर आगे ले जाने का निरंतर प्रयास किया है।''

उन्होंने लिखा, ''मैंने सदैव अपने क्षेत्र और बिहार के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य किया। इसी का प्रतिफल है कि यहां की देवतुल्य जनता ने मुझे लगातार पांच बार सदन में अपना प्रतिनिधि चुनकर सेवा का सौभाग्य प्रदान किया।

सदन के अंदर हो या सदन के बाहर, दोनों ही स्थानों का उपयोग मैंने अपने क्षेत्र और बिहार की जनता की आवाज उठाने और उनकी समस्याओं के समाधान का मार्ग निकालने के लिए किया। बिहार विधानसभा के सदस्य के रूप में मुझे सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई वरिष्ठ विधायकों से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। मैंने अपने क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण विषयों का समाधान जनता और कार्यकर्ताओं के सुझावों से ही निकाला है।''

नवीन ने लिखा, ''माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में पार्टी ने जब मुझे बिहार सरकार के मंत्री के रूप में काम करने का अवसर दिया, तब मुझे कई अहम फैसलों, नीतियों और योजनाओं का क्रियान्वयन करने में सफलता मिली। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद व्यक्त करता हूँ। मैंने यह हमेशा कहा है कि जनता ने मुझे समस्याएं भी बताईं और उन समस्याओं के समाधान का रास्ता भी मुझे जनता ने हीं दिखाया। कार्यकर्ताओं ने मुझे भाई के रूप में, परिवार के सदस्य के रूप में और अभिभावक के रूप में अंगुली पकड़कर आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। मैं पटना और बिहार की जनता को आश्वस्त करता हूं कि जो परिवार का भाव उन्होंने मुझे दिया है, उसका मैं सदैव सम्मान करता रहूंगा।''

उन्होंने कहा, ''आज मैं बिहार विधानसभा के बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्य पद से इस्तीफा दे रहा हूं। पार्टी ने मुझे जो नई भूमिका दी है, उसके माध्यम से भी मैं अपने क्षेत्र और बिहार के विकास के लिए सदैव तत्पर एवं संकल्पित रहूंगा। मेरे कार्यकर्ताओं और बिहार की जनता के साथ मेरा जो अटूट संबंध है, वह सदैव बना रहेगा और मुझे हमेशा नई ऊर्जा, प्रेरणा और मार्गदर्शन देता रहेगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 2047 के विकसित भारत एवं विकसित बिहार बनाने के सपने को साकार करने की दिशा में मैं निरंतर प्रयासरत रहूंगा।

पटना यूनिवर्सिटी में नीतीश के कार्यक्रम में हंगामा

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना यूनिवर्सिटी में एकेडमिक भवन और प्रशासनिक भवन का उद्घाटन करने पहुंचे। इस दौरान छात्र नेताओं ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान छात्रों ने पटना DM चोर है और डिप्टी CM गो बैक के नारे भी लगाए। CM के पहुंचने से पहले भी छात्र नेता नारेबाजी कर रहे थे। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ के अध्यक्ष शांतनु शेखर का कहना है कि इस कार्यक्रम के बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई थी। यहां तक कि कुलपति को भी इसके लिए निमंत्रण नहीं दिया गया है। हंगामे के चलते CM ने 7 से 8 मिनट में अपना कार्यक्रम खत्म किया और वहां से निकल गए। इस दौरान मुख्यमंत्री कैंपस में जहां-जहां गए छात्रनेता उनके पीछे-पीछे जाते रहे।

VC से छात्रों ने कहा, आप अपने लिए खड़े होइए सर, हमलोग आपके साथ हैं। यूनिवर्सिटी को हम बीजेपी का कार्यालय नहीं बनने देंगे।

छात्रों का कहना है VC को CM से मिलने नहीं दिया गया। वो गए, लेकिन उनको बिना मिले भेज दिया गया।

ताला लेकर पहुंचे थे छात्र संघ अध्यक्ष: पटना स्टूडेंट छात्र संघ के अध्यक्ष शांतनु कॉलेज गेट पर ताला लगाने के लिए पहुंचे थे, लेकिन उन्हें ताला लगाने से रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि मैं विश्वविद्यालय का अध्यक्ष चुनकर आया हूं और मैं छात्रों के हित में अपनी बातें आज यहां पर रखूंगा। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने भी छात्रों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं माने। डीएम त्यागराजन ने भी उन्हें समझाने की कोशिश की है। छात्रों ने उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और शिक्षा मंत्री को भी घेर लिय।

नीतीश कुमार के समर्थन में भी नारेबाजी: कुछ छात्र नीतीश कुमार के समर्थन में भी नारेबाजी करते दिखे। देखो-देखो कौन आया, शेर आया-शेर आया के नारे लगे। बिहार का मुख्यमंत्री कैसा हो नीतीश कुमार जैसा हो के भी नारे लगे। कुछ छात्र हाथ में पोस्टर लिए खड़े दिखे। इस पर लिखा था- हम छात्रों का अभिमान। इस पर नीतीश की फोटो लगी थी।

❐ छात्र बोले- कैंपस को बीजेपी ऑफिस नहीं बनने देंगे, ताला लेकर पहुंचे छात्र संघ अध्यक्ष

147.29 करोड़ की योजना का उद्घाटन: बता दें कि पटना यूनिवर्सिटी के नए प्रशासनिक और एकेडमिक भवन (कला संकाय) का CM ने आज उद्घाटन किया है। यह दोनों भवन 147.29 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुए हैं। प्रशासनिक भवन G+8 और एकेडमिक भवन G+9 है। इसके उद्घाटन के बाद नए प्रशासनिक ब्लॉक में पटना यूनिवर्सिटी का मुख्यालय शिफ्ट हो जाएगा। यही पीयू के मौजूदा कार्यालय की जगह लेगा। वहीं, एकेडमिक भवन में दरभंगा हाउस में चल रहे सभी पीजी विभाग शिफ्ट होंगे। इसके साथ ही वाणिज्य कॉलेज को दरभंगा हाउस में फिलहाल शिफ्ट किया जाएगा।

पटना नारकोटिक्स टीम पर हमला मामले में 3 महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

राजधानी पटना में नारकोटिक्स टीम पर हमले के मामले में पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के चिन्ना कोठी में रविवार को की गई छापेमारी में पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार, अब तक करीब 30 आरोपियों की पहचान कर ली गई है। CCTV फुटेज और स्थानीय इनपुट के आधार पर अन्य लोगों की पहचान की कोशिश जारी है।

शरारती तत्वों को नहीं बख्शेंगे- पुलिस: थानेदार पल्लव ने बताया कि, रविवार के दिन भी पटना पुलिस की ओर से चिन्ना कोठी में शरारती तत्वों के खिलाफ रेड की गई, जिसमें 3 महिलाएं पकड़ी गई हैं। एक का अपराधिक इतिहास भी पाया गया है। थानेदार ने कहा कि, 'किसी भी शरारती तत्व को नहीं बख्शा जायेगा। लगातार कार्रवाई

जारी है। अब तक इस मामले में सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।'

क्या है पूरा मामला: नारकोटिक्स टीम को पटना के चीन कोठी में मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर 5 सदस्यी नारकोटिक्स की टीम ने बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के चिन्ना कोठी में 17 मार्च की सुबह 11:45 बजे छापेमारी करने पहुंची थी। रेड के दौरान नारकोटिक्स टीम सादे लिबास में थी। इस दौरान मादक पदार्थ स्मैक की पुड़िया बेचते हुए आकाश धांगर नाम का आरोपी पकड़ा गया था। टीम उसे पड़कर आगे बढ़ने लगी। तभी वहां मौजूद शरारती तत्वों ने रोड़ेबाजी शुरू कर दी और नारकोटिक्स टीम पर ईंट पत्थर फेंकने लगे।

अनंत सिंह के गांव में जुटेंगे देश-विदेश के पहलवान

एजेंसी, पटना

मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत कुमार सिंह अपने पैतृक गांव नदावां में 3 अप्रैल को विराट कुश्ती अंतरराष्ट्रीय ऐतिहासिक महा दंगल का आयोजन कराने जा रहे हैं। यह आयोजन बिहार केसरी स्वर्गीय विवेका पहलवान की पहली पुण्यतिथि के अवसर पर किया जा रहा है। दंगल दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम के आयोजन में अनंत सिंह के साथ सदानंद पहलवान, अरविंद पहलवान, राजवीर पहलवान और स्थानीय ग्रामीण सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। इस महा दंगल में देश और विदेश के कई नामी पहलवान हिस्सा लेंगे। इनमें ईरान के शभीव और इरफान, जर्मनी के Tuddo के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के अजीत कुमार समेत कई पहलवान शामिल होंगे।

तैयारियों का लिया जायजा,

10 लाख की भीड़ का दावा: आयोजन से दो दिन पहले अनंत कुमार सिंह ने खुद गांव पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने दावा किया कि इस महा दंगल में 10 लाख से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है। सभी को खुले दिल से आमंत्रित किया गया है। इस खास मौके पर भोजपुरी सिंगर गुंजन सिंह भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे, जिससे आयोजन में सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिलेगा। ग्रामीण इलाकों में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह है और इसे क्षेत्र का बड़ा खेल आयोजन माना जा रहा है।

'125 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा झुनझुना निकला'

एजेंसी, पटना

बिहार में बिजली दरों को लेकर सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने एकजुट होकर नीतीश-भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव के समय 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया गया था, लेकिन महज 4 महीने में ही सरकार अपने असल रंग में लौट आई है। उन्होंने कहा कि चीटर मीटर के जरिए जनता से अधिक पैसे वसूले जा रहे हैं और यह सीधा-सीधा धोखा है।

नई दरों से बढ़ा बोझ: दोनों नेताओं ने नई बिजली दरों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब बिहार में अलग-अलग समय के हिसाब से ज्यादा कीमत वसूली जाएगी। उनका कहना है कि यह

व्यवस्था आम लोगों की जेब पर सीधा असर डालने वाली है और मुफ्त बिजली के वादे का कोई मतलब नहीं रह जाता।

'खजाना खाली, जनता से भरपाई: तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान सरकारी खजाने से बड़े पैमाने पर पैसे बांटे गए और अब उसकी भरपाई अगले पांच साल तक जनता से की जाएगी। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं को ताक पर रखकर सत्ता हासिल की गई है। उनका दावा है कि सरकार का खजाना लगभग खाली हो चुका है और बचा-खुचा पैसा भी भ्रष्ट तंत्र में समा जाएगा, जिससे भ्रष्टाचार और बढ़ेगा।

मुकेश सहनी बोले- जनता पर दोहरी मार: मुकेश सहनी ने भी सरकार को घेरते हुए कहा कि 125 यूनिट फ्री बिजली का वादा सिर्फ चुनावी "झुनझुना" साबित हुआ। अब पीक आवर के नाम पर दरें बढ़ाकर जनता पर बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ रसोई गैस की महंगाई और दूसरी तरफ बिजली की कीमतें बढ़ना, आम लोगों के लिए दोहरी मार है।

❐ बढ़ती बिजली दर पर मुकेश सहनी और तेजस्वी यादव का हमला

राहत की बजाय बढ़ा बोझ: सहनी ने कहा कि सरकार को पेट्रोल-डीजल पर टैक्स कम कर राहत देनी चाहिए थी, लेकिन इसके उलट बिजली महंगी कर दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि मार्च में ही गर्मी बढ़ने लगी है और कई जगहों पर बिजली कटौती शुरू हो गई है, ऐसे समय में दर बढ़ाना जनता के साथ अन्याय है।

तृतीय दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न, सुरक्षा एवं वीवीआईपी प्रोटोकॉल पर हुई विस्तृत समीक्षा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के आगामी तृतीय दीक्षांत समारोह (4 अप्रैल 2026) के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के दृष्टिगत जिला प्रशासन एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को आयोजित की गई। उक्त बैठक में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव एवं जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर ओवरऑल कंवोकेशन कोऑर्डिनेशन कमेटी (OCCC) के अध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक में समारोह से संबंधित सुरक्षा प्रोटोकॉल, आमंत्रण-पास की व्यवस्था, वीवीआईपी मूवमेंट, यातायात नियंत्रण एवं समन्वय तंत्र पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय इस महत्वपूर्ण अवसर को गरिमामय एवं सुव्यवस्थित रूप से आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा जिला प्रशासन के सहयोग से सभी व्यवस्थाएँ उच्चतम मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएंगी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने आश्वस्त किया कि प्रशासन की ओर से सुरक्षा, यातायात एवं प्रोटोकॉल से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुदृढ़ रूप से की जाएंगी, जिससे समारोह निर्बाध रूप से सम्पन्न हो सके। यह उल्लेखनीय है कि इस भव्य समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं सांसद राधा मोहन सिंह की गरिमामयी उपस्थिति प्रस्तावित है। बैठक में विश्वविद्यालय की विभिन्न समितियों के समन्वयक (Coordinators) भी उपस्थित रहे, जिनमें प्रो. संतोष कुमार त्रिपाठी – प्रोसेशन समिति, प्रो. बिमलेश कुमार सिंह – डीआईएएस प्रबंधन समिति, प्रो. राजेंद्र सिंह – स्पीच राइटिंग समिति, प्रो. शाहाना मजूमदार – ग्रीन रूम समिति, प्रो. विकास पारेख – वित्त समिति, प्रो. आनंद प्रकाश – आतिथ्य एवं आवास समिति, प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव – स्मारिका एवं आमंत्रण समिति, प्रो. सुनील महावर – वेशभूषा प्रबंधन समिति, प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी – अकादमिक समिति, प्रो. प्रसून दत्त सिंह – रिफ्रेशमेंट समिति, प्रो. आर. के. चौधरी – अनुशासन समिति, प्रो. अजय कुमार गुप्ता – असेंबली समिति, प्रो. बिमलेश कुमार सिंह – उद्घोषणा एवं मार्गदर्शन समिति, डॉ. श्याम नंदन – मीडिया, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी समिति, डॉ. कैलाश चंद्र प्रधान – आपदा एवं आपात प्रबंधन समिति, प्रो. श्याम कुमार झा – परिवहन समिति, प्रो. आर्तत्राण पाल – रिहर्सल समिति, प्रो. पंकज कुमार सिंह – बाह्य प्रबंधन एवं सौंदर्यीकरण समिति, प्रो. प्रवीर सिंह – पार्किंग प्रबंधन समिति का नाम शामिल है। वहीं बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि सभी समितियाँ आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में तैयारियाँ पूर्ण करेंगी, ताकि तृतीय दीक्षांत समारोह को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं भव्य रूप में आयोजित किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

जिले में वाहन चोरों पर पुलिस का शिकंजा, 4 चोरी की बाइक बरामद, 2 गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी की चार मोटरसाइकिल बरामद की हैं। इस दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जबकि अन्य फरार आरोपितों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। सुगौली थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान एक मोटरसाइकिल को एचएचडी मशीन से जांचने पर उसका संबंध मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 176/23 से पाया गया। पूछताछ में मो. सादिक आलम (पिता–मो. शब्बीर, निवासी–नवाडीह, थाना–सुगौली) ने बताया कि उसने उक्त बाइक मो. इरशाद (निवासी–खुदानगर, थाना–छतौनी) से खरीदी थी। पुलिस ने बाइक जब्त कर सादिक आलम को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, गड़हिया बाजार थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना पर ग्राम माड़ीपुर माल में छापेमारी कर एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। एचएचडी जांच में चेसिस नंबर में गड़बड़ी पाई गई और वाहन का संबंध मुजफ्फरपुर के देवरिया थाना कांड संख्या 84/21 से जुड़ा मिला। इस मामले में नंदन कुमार (पिता–स्व. किशुनदेव साहनी) को गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त, कल्याणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सिसवा खरार में छापेमारी के दौरान रहमान मियां और जौवाद मियां के घर से एक-एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। जांच में दोनों वाहन चोरी के पाए गए, जिनमें से एक का संबंध मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना कांड संख्या 549/19 से है। पुलिस ने सभी बरामद मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और वाहन चोरी के नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में अभियान जारी रहेगा।

दिवंगत एपीपी साधु शरण सिंह के आवास पहुंचे प्रधान जिला जज, परिजनों को दी सांत्वना

बीएनएम @ मोतिहारी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास ने दिवंगत एपीपी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता साधु शरण सिंह के पुत्र, वरिष्ठ पत्रकार सागर सूरज के राजाबाजार स्थित आवास पर पहुंचकर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान जिला बार एसोसिएशन, मोतिहारी के महासचिव राजीव कुमार द्विवेदी उर्फ पप्पू दुबे भी मौजूद रहे। प्रधान जिला जज ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर दिवंगत अधिवक्ता साधु शरण सिंह के व्यक्तित्व और समाज में उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि साधु शरण सिंह अपनी विनोदप्रियता, हंसमुख स्वभाव और मिलनसार व्यवहार के कारण अधिवक्ता समाज ही नहीं, आम लोगों के बीच भी बेहद लोकप्रिय थे। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक से उनका आत्मीय संबंध था, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। अधिवक्ता समाज में यह भी चर्चा रही कि महासचिव राजीव कुमार द्विवेदी के कार्यकाल में अधिवक्ताओं का सम्मान बढ़ा है तथा बार और बेंच के बीच आपसी सौहार्द एवं सहयोग का माहौल लगातार मजबूत हुआ है। इस अवसर पर महासचिव पप्पू दुबे ने अधिवक्ता समाज को सम्मान देने के लिए प्रधान जिला जज के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि माननीय जज साहब ने अपने इस मानवीय कदम से एक नई परंपरा और नए युग की शुरुआत की है, जिससे न्यायिक व्यवस्था और अधिवक्ता समाज के संबंध और अधिक मजबूत होंगे। इस दौरान शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे लोगों ने दिवंगत साधु शरण सिंह के व्यक्तित्व, सरल स्वभाव और सामाजिक लोकप्रियता को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिले में शराब कारोबारियों पर पुलिस का शिकंजा, कई थाना क्षेत्रों से भारी मात्रा में शराब बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शराब कारोबारियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अलग-अलग जगहों पर की गई छापेमारी में भारी मात्रा में नेपाली और देशी शराब बरामद की गई है। ढाका थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम बखरी में छापेमारी कर पुलिस ने दो मोटरसाइकिल के साथ 240 बोतल नेपाली शराब (कुल 72 लीटर) बरामद की। पुलिस इस मामले में शामिल तस्करों की पहचान कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। वहीं लखौरा थाना क्षेत्र के ग्राम फुलवार में एक शराब तस्कर के घर पर छापेमारी के दौरान 57 बोतल नेपाली अंग्रेजी शराब (कुल 22.5 लीटर) बरामद की गई। पुलिस फरार तस्कर की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इसके अतिरिक्त फेनहारा थाना क्षेत्र के ग्राम चकरपेटा में पोखर किनारे छापेमारी कर पुलिस ने एक मोटरसाइकिल, 14 पीस नेपाली शराब (4.2 लीटर) तथा 10 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की। इस कार्रवाई के दौरान एक शराब तस्कर सहित तीन अन्य लोगों को शराब खरीदने और पीने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में शराब तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

सूखा नशा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, दो तस्कर गिरफ्तार, गांजा व गोगो बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी। सूखा नशा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ढाका थाना क्षेत्र में छापेमारी के दौरान 44 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ और दो पैकेट गोगो के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मनोज कुमार (पिता–शिवचंद्र साह, निवासी–गम्हरिया, थाना–ढाका, जिला–पूर्वी चंपारण) के रूप में हुई है। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने उसकी निशानदेही पर पचपकड़ी थाना क्षेत्र के पचपकड़ी बाजार में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान एक दुकान से 200 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ और एक पैकेट गोगो बरामद किया गया। इस दौरान दूसरे तस्कर दीपक कुमार (पिता–बमबम मिश्रा, निवासी–जिउली, थाना–पताही, जिला–पूर्वी चंपारण) को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने दोनों आरोपितों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि जिले में सूखा नशा और अन्य मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

पांच दिवसीय चम्पारण एक्सपो 2026 का हुआ सफल समापन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर के टाउन हॉल में आयोजित पांच दिवसीय चंपारण एक्सपो 2026 का सोमवार संध्या 6 बजे गरिमामय वातावरण में समापन हुआ। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने सभी स्टॉल धारकों को इस एक्सपो में भाग लेने पर बधाई दी। समापन -सह- सम्मान समारोह में चंपारण क्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक हर किशोर राय ने सभी स्टॉल धारकों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया साथ ही नॉर्थ बिहार चेंबर ऑफ कॉमर्स के द्वारा मोतिहारी चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों को इस सफल आयोजन हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीआईजी ने चंपारण क्षेत्र के व्यवसाययों को हर संभव सुरक्षा देने का आश्वासन एवं व्यवसाईयों को निर्भीक होकर अपना व्यवसाय करने के लिए प्रोत्साहित किया व्यवसाययों को अपने व्यवसाय को बिहार के अन्य क्षेत्रों में फैलने के लिए भी प्रोत्साहित किया। चैम्बर अध्यक्ष महेश सिन्हा महासचिव आलोक कुमार नॉर्थ बिहार चेंबर ऑफ कॉमर्स के श्याम भीमसरिया सज्जन शर्मा के द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किया गया। यह आयोजन मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं नॉर्थ बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया जो 26 मार्च से 30 मार्च तक चला। एक्सपो में विभिन्न उद्योगों, स्टार्टअप्स एवं स्थानीय उद्यमियों द्वारा अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया गया सभी अतिथियों को शॉल और मोमेंट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मोतिहारी चैंबर के बीरेंद्र जालान, सुधीर अग्रवाल, सुरेश चंद्र, रवि कृष्ण लोहिया, संजय जायसवाल राजीव विजडम, अंगद सिंह अनुपम जायसवाल, डॉ. विवेक गौरव, विनय देवकुलीयार, अनिल बोहरा, हेमंत कुमार सुधीर गुप्ता सुधांशु रंजन अभिमन्यु कुमार के अलावा अन्य चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में शहरवासी एवं व्यवसायी उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया। यह जानकारी -सह- सचिव एवं मीडिया प्रभारी विनय देवकुलीयार ने दी है।

जिला स्तरीय उर्दू वाद-विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न, मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। उर्दू निदेशालय, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, बिहार, पटना के निर्देशानुसार जिला उर्दू भाषा कोषांग, पूर्वी चंपारण द्वारा "उर्दू भाषी विद्यार्थी प्रोत्साहन योजनांतर्गत जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता" का भव्य आयोजन समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन में किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से छात्र-छात्राएं, शिक्षक, पत्रकार, उर्दू अनुवादक और उर्दू प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार तथा उप निर्वाचन पदाधिकारी सरफराज नवाज ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि उर्दू अत्यंत मधुर भाषा है, जो हमारी साझा सभ्यता और सांस्कृतिक परंपरा को सहेजने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों में रचनात्मक क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं। प्रभारी पदाधिकारी जिला उर्दू भाषा कोषांग सरफराज नवाज ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य उर्दू भाषी विद्यार्थियों में भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना और अपनी सोच को शब्दों में अभिव्यक्त करने की कला विकसित करना है। प्रतियोगिता में मैट्रिक, इंटर और स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग विषय निर्धारित किए गए थे। मैट्रिक वर्ग में 32, इंटर में 18 और स्नातक वर्ग में 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने बेहतरीन भाषण देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मैट्रिक वर्ग में शादाब आलम प्रथम, इंटर वर्ग में दरख्शां परवीन प्रथम तथा स्नातक वर्ग में तूबी नाज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं के नामों की घोषणा के साथ उन्हें सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में डॉ. तफजील अहमद, सहायक प्राध्यापक वसीम रजा, मशहूर आलम, उर्दू शिक्षक फिरोज आलम तथा वरिष्ठ पत्रकार अबू सलमान शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन उर्दू अनुवादक गुलाम रब्बानी ने प्रभावी ढंग से किया। अंत में सरफराज नवाज ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

यूजीसी नियमों के विरोध में एमजीसीयू छात्रों का प्रदर्शन, शिक्षा में समानता बनाए रखने की मांग

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने प्रस्तावित यूजीसी अधिनियम में संशोधन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों छात्र-छात्राएं परिसर में एकत्र हुए और "यूजीसी वापस लो", "शिक्षा बचाओ, भविष्य बचाओ" जैसे नारों के साथ शांतिपूर्ण मार्च निकाला। छात्रों का कहना है कि नए प्रावधानों के कुछ बिंदु विवादास्पद हैं। उनके अनुसार इससे विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता कमजोर हो सकती है, जिससे शैक्षणिक निर्णयों में बाहरी हस्तक्षेप बढ़ने की आशंका है। साथ ही फीस संरचना में असमानता और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों की उच्च शिक्षा तक पहुंच प्रभावित होने की भी चिंता जताई गई। प्रदर्शन के दौरान छात्र नेता रोचित सिंह ने कहा कि यह कानून शिक्षा में समान अवसर की भावना को कमजोर करेगा और छात्रों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। वहीं अमन राज निलेश ने इसे छात्र-विरोधी बताते हुए कहा कि इससे उच्च शिक्षा आम छात्रों की पहुंच से दूर हो सकती है। छात्र राहुल सिंह और शिवम सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि सरकार को इस तरह के बड़े फैसले लेने से पहले छात्रों और शिक्षकों से संवाद करना चाहिए। बिना चर्चा के लागू किया गया कोई भी कानून लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ माना जाएगा। कुछ छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि नए प्रावधानों से विश्वविद्यालयों में केंद्रीकरण बढ़ेगा, जिससे स्थानीय जरूरतों और विविधता की अनदेखी हो सकती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री तक सीमित नहीं, बल्कि समग्र विकास होना चाहिए। प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। अंत में छात्रों ने सरकार से मांग की कि प्रस्तावित अधिनियम को तत्काल वापस लिया जाए और छात्र, शिक्षक व विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा के बाद ही कोई निर्णय लिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों की अनदेखी होने पर आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

एक सफल शिक्षक के लिए अनुशासन अनिवार्य : प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय के सत्र 2025–27 के बी.एड. प्रशिक्षुओं को विद्यालयों में अवलोकन कार्य हेतु औपचारिक रूप से विरमित किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक सफल एवं प्रभावी शिक्षक बनने के लिए अनुशासित रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षकीय दायित्वों के प्रति सजग एवं समर्पित रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे जहां भी जाएँ, वहाँ एक आदर्श शिक्षक के गुणों का अवलोकन करें और स्वयं को उसी अनुरूप विकसित करने का प्रयास करें। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गेश मणि तिवारी ने अपने संबोधन में परिश्रम के महत्व पर बल देते हुए कहा कि कठिन मेहनत ही सफलता की कुंजी है। प्रधान सहायक राजीव कुमार ने प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बी.एड. विभागाध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रियरंजन झा, डॉ. मधुलिका कुमारी, डॉ. मधुबाला कुमारी, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. जयंती झा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी सहायक प्राध्यापक -सह- मीडिया प्रभारी जलेश्वर कुमार द्वारा प्रदान की गई।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'नशामुक्त भारत' का शंखनाद, छात्रों ने ली नशा न करने की शपथ

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के बृहस्पति सभागार में जिला प्रशासन और आजाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत भव्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शोधार्थी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मुख्य कुलानुशासक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. प्रसून दत्त सिंह की विशेष भूमिका रही। मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र कुमार आर्य ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त करना होगा, तभी सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने युवाओं से इस मुहिम का अग्रदूत बनने का आह्वान किया। जिला प्रशासन की ओर से सहायक प्रशासी पदाधिकारी संजय कुमार सिंह ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान युवाओं को संकल्पित कर समाज में जनजागरूकता फैलाने की बड़ी पहल है। सामाजिक चिंतक रवि शंकर वर्मा ने लोककल्याण की भावना के साथ समाज सुधार के कार्यों में भागीदारी की अपील की। गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं और गणमान्य लोगों को नशामुक्त रहने की शपथ दिलाई। वहीं विश्वविद्यालय के उप कुलानुशासक डॉ. नरेंद्र सिंह ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास को भी प्रभावित करता है। उन्होंने शिक्षा, अनुशासन और आत्मसंयम को सफलता का वास्तविक मार्ग बताया। कार्यक्रम के अंत में आजाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन के संस्थापक और विश्वविद्यालय छात्र कफ़ील अहमद आज़ाद ने कहा कि उनकी संस्था जिला प्रशासन के साथ मिलकर सामाजिक सुधार के कार्यों में लगातार सक्रिय है। उन्होंने विश्वास जताया कि छात्रों का सहयोग इस मुहिम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

एलपीजी बॉटलिंग प्लांट का किया गया संयुक्त निरीक्षण, जिले में गैस आपूर्ति पूरी तरह सामान्य व सुचारू

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। एलपीजी बॉटलिंग प्लांट का प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण सोमवार को किया गया। इस निरीक्षण में हर किशोर राय, डीआईजी, चंपारण रेंज, सौरभ जोरवाल, जिलाधिकारी, स्वर्ण प्रभात, पुलिस अधीक्षक शामिल थे। इस अवसर पर दीपक कुमार, एसपीएम मोतिहारी बीपी एवं राकेश वर्मा, डीजीएम, मोतिहारी टर्मिनल भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एलपीजी फिलिंग शेड में आपूर्ति, बॉटलिंग प्रक्रिया एवं सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी ली। आई.ओ.सी.एल के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि संयंत्र पूरी क्षमता से कार्यरत है तथा जिले की मांग को निर्बाध रूप से पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। वर्तमान में पेट्रोल एवं डीजल का अतिरिक्त 15 दिन तथा एलपीजी का अतिरिक्त 7 दिन का बफर स्टॉक सुरक्षित भंडार में मौजूद है और दैनिक आपूर्ति भी पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। जिले में एलपीजी आपूर्ति पूर्व के दिनों के अनुसार ही है। जिले में आईओसीएल, एचपीसीएल एवं बीपीसीएल सहित कुल 115 गैस एजेंसियां सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। 01 मार्च से 29 मार्च 2026 तक कुल 5,22,735 बुकिंग के सापेक्ष 4,42,697 सिलेंडरों की डिलीवरी की जा चुकी है। 29 मार्च को एक दिन में 14,762 बुकिंग के विरुद्ध 14,599 सिलेंडरों का वितरण किया गया, जो औसत से अधिक है। सभी 115 वितरक होम डिलीवरी के माध्यम से उपभोक्ताओं तक सिलेंडर पहुंचा रहे हैं, जबकि होम डिलीवरी न करने वाली 3 एजेंसियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में बुकिंग में सामान्य से लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो जनता द्वारा की जा रही अतिरिक्त बुकिंग के कारण है। आपूर्ति एजेंसी द्वारा स्पष्ट किया गया है कि गैस की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है, अतः अनावश्यक बुकिंग की आवश्यकता नहीं है। अधिकारियों ने आपूर्ति प्रबंधन पर संतोष व्यक्त करते हुए एलपीजी के निर्बाध संचालन, आवागमन एवं वितरण को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग एवं सहायता का आश्वासन दिया। जिला प्रशासन समस्त उपभोक्ताओं से अपील करता है कि अनावश्यक रूप से गैस की अतिरिक्त बुकिंग न करें, घरेलू उपयोग के लिए ही गैस का उपयोग करें तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या जमाखोरी की सूचना जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 06252-242418 पर दें। जिला प्रशासन द्वारा स्थिति की सतत निगरानी की जा रही है और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बीडीएस मेधा परीक्षा में मेधावियों का सम्मान, टॉपर को विधायक ने दिया कंप्यूटर

» करीब 200 विद्यार्थियों ने लिया भाग, सफल छात्रों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार
» सम्मान से बढ़ा बच्चों का आत्मविश्वास, अभिभावकों ने की सराहना

बीएनएम @ सारण

सारण। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से बीडीएस कंप्यूटर इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित बीडीएस मेधा परीक्षा सम्मान समारोह में सफल छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में करीब 200 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समारोह में विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छपरा की विधायक छोटी कुमारी रहीं। उन्होंने परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र सार्थक कुमार को कंप्यूटर भेंट कर सम्मानित किया। विधायक के हाथों पुरस्कार पाकर छात्र का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। अन्य सफल विद्यार्थियों को भी प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इससे बच्चों में आगे बेहतर करने की प्रेरणा और प्रतिस्पर्धा की भावना मजबूत हुई। छात्रों के चेहरों पर सफलता की खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। संस्थान के संचालक टिंकू गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार की मेधा परीक्षाएं विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को सामने लाने का सशक्त माध्यम हैं। सम्मान मिलने से बच्चों का मनोबल बढ़ता है और वे भविष्य में बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रेरित होते हैं। कार्यक्रम में अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को और गरिमामय बना दिया। अंत में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस मौके पर सरपंच इंदु देवी, पूर्व मुखिया देवांती देवी, कुंदन सर, नीरज सर, अंशु मैम, रोहित, संजीत, रूपचंद और कृष्णा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हरसिद्धि के गायघाट हाई स्कूल के दर्जनों छात्रों ने मैट्रिक परीक्षा मे लहराया है परचम

» सफल छात्रों को राष्ट्र भारती पब्लिक स्कूल गायघाट मे किया गया सम्मानित

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के गायघाट हाई स्कूल के दर्जनों छात्रों ने मैट्रिक परीक्षा मे परचम लहराया है। उक्त सभी छात्रों का प्रारम्भिक शिक्षा राष्ट्र भारती पब्लिक स्कूल गायघाट मे हुआ है। बच्चे नर्सिरी से वर्ग आठ तक उक्त विद्यालय से पढ़े है। अपने स्कूल के छात्रों द्वारा बेहतर अंक लाने के लिए विद्यालय के निदेशक बाल्मीकि सिंह ने उन्हें सम्मानित किया है। सभी बच्चे ग्रामीण परिवेश मे रहकर बेहतर अंक लाया है। स्वर्गीय जगलाल बैंठा का पुत्र प्रिंस कुमार 471 अंक प्राप्त कर प्रखंड टॉपर बना है। बेहतर अंक से सफल होने वाले विद्यार्थीयों मे प्रिंस कुमार पिता - स्वर्गीय जगलाल बैठा , ग्राम - गायघाट को 471 अंक, रौशनी कुमारी पिता - दिलीप कुमार को 456अंक , सूरज कुमार पिता - प्रभु प्रसाद, बड़हरवा को 450 अंक, सोनी खातून पिता - अब्दुल्लाह अंसारी बाइक मिस्त्री को 444 अंक, आरती कुमारी पिता स्वर्गीय जगलाल बैठा को 442 अंक, शिवम कुमार पिता - मनोज सिंह, बड़हरवा को 422 अंक, चंदन कुमार पिता - भूषण सहनी, उज्जैन लोहियार को 420 अंक, आनंद कुमार पिता - बालिस्टर ठाकुर को 419 अंक, रौशन कुमार पिता - ओमप्रकाश प्रसाद को 411अंक, अभिषेक कुमार पिता-जनार्दन सिंह को 411अंक, साहेब गुप्ता पिता - धूरेंद्र साह, रानीछपरा को 402अंक, मनीष कुमार पिता - शिवबालक सिंह को 401 अंक, करण कुमार साह पिता-संतोष साह को 400 अंक आया है। सफल छात्रों को सम्मानित करते हुए राष्ट्र भारती पब्लिक स्कूल, गायघाट के प्रधानाचार्य ने कहा कि वे अपने स्कूल के छात्रों का मूल आधार (Foundation) इतना मजबूत बनाते है कि वे आगे चलकर न केवल सफल होते हैं बल्कि जिला और राज्य स्तर पर टॉप भी करते हैं।

समग्र ग्रामीण विकास की दिशा में बड़ा कदम, एचडीएफसी बैंक और प्लान इंडिया की पहल सराहनीय

बीएनएम @ पताही

पताही। पताही प्रखंड मुख्यालय स्थित पताही उच्च विद्यालय के खेल मैदान में एचडीएफसी बैंक और प्लान इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, एचडीएफसी बैंक की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व प्रमुख श्यामलिका कृष्णा, पत्रकार प्रकाश सिंह और बीडीओ उदय कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। संस्था द्वारा रोजगार सृजन, जल संरक्षण, स्वच्छता, सौर ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। सोखता निर्माण से जल संचय को बढ़ावा मिल रहा है, जबकि सौर लाइट से गांवों में रोशनी और सुरक्षा दोनों बढ़ी है। आंगनबाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण से बच्चों के बेहतर भविष्य की नींव मजबूत हो रही है। श्यामलिका कृष्णा ने कहा कि ग्रामीणों से मिला सम्मान प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुर्गी पालन जैसे स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। कार्यक्रम के तहत 25 प्रकार की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इस दौरान प्लान इंडिया के तहत 20 लाभार्थियों को लघु टेंट सामग्री और लकड़ी निर्मित हस्तचालित ठेला वितरित किया गया। साथ ही 20 गांवों में लगभग 200 सौर लाइट लगाए जाने से ग्रामीण जीवन में नई रोशनी आई है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामीणों की बड़ी भागीदारी रही।

इको क्लब के तहत विद्यालय में पौधारोपण, 180 छात्रों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के श्री रामेश्वर उत्क्रमित 10+2 विद्यालय, सोनबरसा में सोमवार को इको क्लब और यूथ क्लब के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और हरित वातावरण के महत्व को समझाना था। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रधानाध्यापक संतोष कुमार प्रसाद ने किया। इस दौरान कक्षा 9 के 10 तथा इंटरमीडिएट के 40 छात्र-छात्राओं सहित कुल 180 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने विद्यालय परिसर और भवन के आसपास विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। साथ ही गमलों में रंग-बिरंगे फूल लगाकर परिसर को आकर्षक और हराभरा बनाने का प्रयास किया। इस मौके पर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें समझाया गया कि बढ़ती गर्मी, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी समस्याओं से निपटने के लिए पेड़-पौधों का संरक्षण बेहद जरूरी है। पेड़ न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि वातावरण को शुद्ध और संतुलित बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। सभी छात्र-छात्राओं ने अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण के प्रति सजग रहने का संकल्प लिया। प्रधानाध्यापक

संतोष कुमार प्रसाद ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण बड़ी चुनौती बन चुका है और इसमें छात्रों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि हर छात्र एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो भविष्य में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में बड़ी मदद मिलेगी। इस अवसर पर शिक्षक अमर कुमार, आदित्यनाथ तिवारी, रंजन कुमार, रिंकी कुमारी, समरीन शमीम, असगर अली सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के संदेश के साथ हुआ।

चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

» सुपर स्प्लेंडर पर लगा नंबर निकला दूसरी बाइक का

बीएनएम @ सुगौली

सुगौली। थाना क्षेत्र में सोमवार को चल रहे वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान पकड़ी गई सुपर स्प्लेंडर बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर होंडा शाइन बाइक का निकला, जिसके चोरी होने की प्राथमिकी पहले से मोतिहारी मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 176/23 में दर्ज है। पुलिस ने वाहन जांच के दौरान बाइक सवार को रोककर कागजात और रजिस्ट्रेशन नंबर की जांच की। सत्यापन में पता चला कि नंबर प्लेट पर अंकित नंबर एक होंडा शाइन बाइक का है, जो पूर्व में चोरी हो चुकी है। इसके बाद पुलिस ने तत्काल बाइक सवार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में नगर परिषद के वार्ड संख्या तीन नौवाडीह निवासी मोहम्मद शब्बीर आलम के पुत्र सादिक आलम ने बताया कि उसने उक्त बाइक मोतिहारी के खुदानगर निवासी मोहम्मद कलाम के पुत्र मोहम्मद इरशाद से खरीदी थी। जानकारी मिलते ही सुगौली पुलिस ने छतौनी थाना के सहयोग से इरशाद के घर दबिश दी, लेकिन वह घर पर नहीं मिला। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि संदिग्ध बाइक को जब्त कर लिया गया है। साथ ही बाइक बिक्री और चोरी के इस मामले में दोनों आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

पीएम श्री उच्च विद्यालय जिहुली में अभिभावक गोष्ठी व वार्षिक परिणाम वितरण समारोह, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

बीएनएम @ पताही

पताही। पताही प्रखंड के जिहुली पंचायत स्थित पीएम श्री उच्च विद्यालय जिहुली में अभिभावक गोष्ठी के साथ कक्षा 6वीं, 7वीं, 8वीं, 9वीं एवं 11वीं के विद्यार्थियों का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर रिपोर्ट कार्ड वितरण समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अभिभावकों की उपस्थिति रही, जिससे विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य अमरेंद्र कुमार ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की शिक्षा, अनुशासन और सर्वांगीण विकास में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के सामंजस्य से ही विद्यार्थियों का भविष्य बेहतर बनाया जा सकता है। इस दौरान विद्यालय प्रशासन की ओर से बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन तथा विद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी भी दी गई। वार्षिक परीक्षा में कई विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा 6 में शिवम ने 244 अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि शिवांगी, ऋतिका, राजकुमार, पल्लवी और गुलशन कुमार ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा 7 में प्रभात कुमार 250 अंक के साथ प्रथम रहे। कक्षा 8 में आयुष कुमार और जागृति कुमारी ने 285-285 अंक हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं कक्षा 9 में अनामिका ने 506 अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर सभी को गौरवान्वित किया। समारोह के दौरान मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया और सभी विद्यार्थियों को उनका रिपोर्ट कार्ड प्रदान किया गया। अभिभावकों ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक विकास कुमार, संजीव कुमार, अनिल बैठा, राजन कुमार, आशुतोष कुमार, लालबहादुर कुमार तथा शिक्षिकाएं सुनीता कुमारी, नीता कुमारी, अपराजिता कुमारी और नेहा कुमारी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समारोह के अंत में मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

सोनबरसा विद्यालय में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, मेधावी छात्र व छात्राएं हुए सम्मानित

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत श्री रामेश्वर राजकीय माध्यमिक विद्यालय, सोनबरसा में सोमवार को शिक्षक संगोष्ठी सह वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष रूप से गरिमामय बना दिया। इस अवसर पर सत्र 2025-26 के कक्षा 1 से 8 तक के छात्र- छात्राओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया तथा सभी विद्यार्थियों के बीच प्रगति पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन सरपंच प्रतिनिधि श्री सहनी एवं विद्यालय शिक्षा समिति की सचिव श्रीमती संगीता देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को कॉपी एवं कलम देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे, वहीं अभिभावकों में भी गर्व का माहौल देखने को मिला। विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद महतो ने छात्र-छात्राओं के बीच प्रगति पत्र का वितरण करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और निरंतर परिश्रम से ही लक्ष्य की प्राप्ति संभव है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को आगे भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया तथा अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करने की अपील की। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में सृष्टि कुमारी, सरेहा खातून, अलका कुमारी, इंदु कुमारी, खुशी कुमारी एवं गौरव कुमार पांडे प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस मौके पर शिक्षक बैद्यनाथ पासवान, मनोज कुमार, मुकेश कुमार, अमित कुमार तिवारी, अभिषेक कुमार एवं अनुराधा कुशवाहा सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

अभिभावक शिक्षा संगोष्ठी में बच्चों की प्रगति पर चर्चा, मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। शिक्षा विभाग के निर्देश पर नवसृजित प्राथमिक विद्यालय, शेखशरण टोला में अभिभावक शिक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया, जहां "प्रवेश से प्रगति तक विद्यालय और अभिभावक साथ-साथ" विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। संगोष्ठी में अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें बताया गया कि बच्चों के होमवर्क पर नजर रखें, समय-समय पर विद्यालय आकर उनकी प्रगति की जानकारी लें और घर में शैक्षणिक माहौल बनाएं। साथ ही बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। प्रधानाध्यापक रवि मिश्रा ने बताया कि वार्षिक परीक्षा में कक्षा 1 से 5 तक प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मेडल पहनाकर प्रगति पत्रक दिया गया। इसके अलावा 26 जनवरी के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को भी शैक्षणिक सामग्री

देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने अभिभावकों को जानकारी दी कि नए सत्र के लिए नामांकन प्रक्रिया एक अप्रैल से शुरू होगी। इच्छुक अभिभावक आवश्यक दस्तावेजों के साथ विद्यालय में आकर नामांकन करा सकते हैं। कार्यक्रम में शिक्षिका संगीता कुमारी, अनिता प्रियदर्शिनी, नूतन कुमारी, इंदु कुमारी तथा शिक्षा सेवक सुरेश बैठा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। संगोष्ठी के माध्यम से विद्यालय और अभिभावकों के बीच समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

रिजल्ट डे पर बच्चों में दिखा गजब उत्साह, मेडल व अंक पत्रक पाकर खिल उठे चेहरे

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। रक्सौल प्रखंड अंतर्गत सरकारी विद्यालयों में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित होते ही बच्चों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। नवसृजित प्राथमिक विद्यालय, उपाध्याय टोला, सेमरी में रिजल्ट डे के अवसर पर छात्र-छात्राओं को अंक पत्रक के साथ मेडल देकर सम्मानित किया गया। मेडल और प्रशंसा पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। प्रधान शिक्षक विद्या बाबू ने कहा कि बच्चों को समय-समय पर प्रोत्साहित करने से उनकी क्षमताओं में सकारात्मक सुधार होता है और वे आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होते हैं। शिक्षिका श्वेता प्रियदर्शिनी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ाने के साथ बच्चों को आगे बढ़ने के लिए नए पंख देते हैं। शिक्षक कृष्णा प्रसाद यादव ने कहा कि बच्चे शिक्षक का प्रतिबिंब होते हैं, इसलिए उनकी सफलता विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। विभिन्न वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में रौशनी कुमारी, प्रिया कुमारी, कृति कुमारी, सिद्धार्थ कुमार, आदित्य कुमार, प्रेम कुमार, केशव कुमार, शिवानी कुमारी, विराज कुमार, रानी कुमारी, अंकुश कुमार, राकेश कुमार, पिंटू कुमार, एस्मा खातून और शुभम कुमार सहित कई बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें अभिभावकों ने विद्यालय में हो रहे सकारात्मक बदलावों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम में छात्रों को मिली नई दिशा, पत्रकारिता और मेडिकल क्षेत्र में संभावनाओं की दी गई जानकारी

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र स्थित श्री रामेश्वर उच्च माध्यमिक 10+2 विद्यालय परिसर में सोमवार को बिहार शिक्षा परियोजना के तहत कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र- छात्राओं को उनके भविष्य के प्रति जागरूक करना तथा सही करियर चयन में मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक संतोष कुमार प्रसाद ने की। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में विशेष रूप से पत्रकारिता एवं मेडिकल क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों, आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं के रूप में उपस्थित दीपक पाण्डेय एवं राजू सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्रों को लक्ष्य निर्धारित कर उसी दिशा में निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में सफलता प्राप्त करने के लिए सही दिशा, अनुशासन और आत्मविश्वास बेहद आवश्यक है।प्रधानाध्यापक संतोष कुमार प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि छात्रों के जीवन में सही समय पर मिला मार्गदर्शन उनकी दिशा और दशा दोनों बदल सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विषय का चयन करने तथा नियमित अध्ययन के साथ लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने भी अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका समाधान वक्ताओं द्वारा विस्तारपूर्वक किया गया। इससे छात्रों में उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। इस अवसर पर शिक्षक अमर कुमार, आदित्य कुमार, रंजन कुमार, रिंकी कुमारी, असगर अली, समरीन, शमीम, गया शंकर राम सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक माहौल में हुआ, जहां छात्रों ने इसे अपने भविष्य के लिए उपयोगी बताया।

युद्ध से नियंत्रण खो चुके ट्रंप

ट्रंप की टिप्पणियां संकेत हैं कि ईरान के खिलाफ छेड़े गए युद्ध से निकलने का रास्ता उसे नहीं मिल रहा है। ट्रंप युद्ध पर से अपना नियंत्रण खो चुके हैं, जिसकी बेचैनी उनके बयानों से जाहिर हुई है। ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका के उलझते जाने की स्थिति से व्यग्र डॉनल्ड ट्रंप अपनी नाकामी का ठीकरा नाटो में अपने सहयोगी देशों और चीन फोड़ते नजर आ रहे हैं। उलझाव का आलम यह है कि ईरान में थल सेना उतारने पर उनका प्रशासन गंभीरता से विचार कर रहा है, जिसकी शुरुआत ईरानी द्वीप खर्ग से हो सकती है। अफगानिस्तान और इराक के अनुभवों के मद्देनजर अमेरिका के युद्ध रणनीतिकार इसे अपने देश के लिए खतरनाक फैसला मानते हैं। बहरहाल, वहां थल सेना भेजने के बावजूद होरमुज जलडमरूमध्य को खुलवाने का सवाल बना रहेगा। नौसैनिक हस्तक्षेप के जरिए ऐसा करने में अमेरिका अकेले खुद को अक्षम पा रहा है।

इसलिए ट्रंप ने चीन सहित कई देशों से मदद करने की गुजारिश की। चीन ने तो इसे सीधे ठुकरा दिया, जबकि अमेरिका के सहयोगी माने जाने वाले किसी देश से भी तुरंत सकारात्मक उत्तर नहीं मिला। तो अब ट्रंप ने यूरोपीय देशों की अनिच्छा के मद्देनजर नाटो के "बहुत बुरे भविष्य" की धमकी दी है। उधर चीन को चेताया है कि वे 31 मार्च से तय अपनी बीजिंग यात्रा स्थगित कर सकते हैं। इस बीच खबर है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ईरान के राष्ट्रपति महमूद पेज़िश्कियान से बात कर फ्रेंच जहाजों के लिए होरमुज का रास्ता खोलने का आग्रह किया।

उन्होंने जोर किया कि फ्रांस इस युद्ध का हिस्सा नहीं है। यह संकेत है कि यूरोपीय देश अमेरिका- इजराइल के बिना तय सैन्य उद्देश्य वाले युद्ध में भागीदारी से बच रहे हैं। दूसरी तरफ ईरानी हमलों में हो रहे नुकसान के कारण अमेरिका के अंदर युद्ध लगातार अधिक अलोकप्रिय होता जा रहा है। चूंकि नुकसान की खबरें अमेरिका के बड़े अखबारों ने छापी हैं, तो उससे भड़के ट्रंप ने उन अखबारों पर राष्ट्र-द्रोह का इल्जाम मढ़ दिया है। मगर उनकी ऐसी प्रतिक्रियाओं को इसी बात संकेत समझा गया है कि ट्रंप प्रशासन ने बिना रणनीति बनाए देश को ऐसे युद्ध में झोंक दिया, जिससे निकलने का रास्ता उसे नहीं मिल रहा है। यानी ट्रंप युद्ध पर से अपना नियंत्रण खो चुके हैं। इसकी बेचैनी उनके बयानों से जाहिर हो रही है।

भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 : जनजातीय अस्मिता आत्मनिर्भरता और अवसरों का विस्तारित उत्सव

विनोद कुमार सिंह

देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित हरित और सांस्कृतिक आभा से परिपूर्ण परिसर सुंदर नर्सरी में आयोजित भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 ने इस वर्ष जिस प्रकार जनसामान्य, नीति-निर्माताओं, उद्यमियों और सांस्कृतिक प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया,वह अपने आप में एक ऐतिहासिक संकेत है—भारत की जनजातीय परंपराओं के पुनर्जागरण और उनके आर्थिक सशक्तिकरण का।जनता के अभूतपूर्व उत्साह और मांग को देखते हुए जनजातीय मामलों का मंत्रालय ने ट्राइफेड (TRIFED)के सहयोग से इस महोत्सव को 5 अप्रैल 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया। यह विस्तार केवल तिथि का विस्तार नहीं, बल्कि एक व्यापक दृष्टि का प्रतीक है—जनजातीय समाज को बाजार,सम्मान और अवसरों से जोड़ने की प्रतिबद्धता का।सरकार के इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत की जनजातीय विरासत अब केवल संग्रहालयों या पुस्तकों तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि वह देश की आर्थिक और सांस्कृतिक धारा में सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। महोत्सव में उमड़ी भीड़, प्रदर्शनी स्टॉलों पर लगी कतारें, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर गूँजती तालियाँ और आदिवासी व्यंजनों का स्वाद लेते लोग - यह सब मिलकर एक जीवंत भारत की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

महोत्सव का विस्तार विशेष रूप से आदिवासी कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों (SHGs) और वन धन विकास केंद्रों (VDVKs) के लिए नई संभावनाएं लेकर आया है। इस विस्तारित अवधि में उन्हें उपभोक्ताओं से सीधे संवाद का अवसर मिलेगा,जिससे न केवल उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी, बल्कि उनकी कला और परंपरा को व्यापक पहचान भी मिलेगी। बाजार तक सीधी पहुँच, बेहतर मूल्य और स्थायी आय—ये तीनों पहलू इस आयोजन के केंद्र में हैं।इस वर्ष के आयोजन में 22राज्यों के78 आदिवासी समुदायों की सह भागिता,28 राज्यों के 300 से अधिक कला एवं शिल्प प्रदर्शकों की उपस्थिति और 21 राज्यों से आए 120 आदिवासी व्यंजन विशेषज्ञों द्वारा संचालित 30 फूड स्टॉल—यह आंकड़े केवल संख्या नहीं,बल्कि भारत की विविधता और एकता का सशक्त प्रतीक हैं। यहां हस्तशिल्प,हथकरघा, प्राकृतिक उत्पाद, जैविक वस्तुएं और पारंपरिक ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

महोत्सव का एक महत्वपूर्ण आकर्षण 29 मार्च को आयोजित वन धन कॉन्क्लेव रहा,जिसका उद्घाटन जनजातीय मामलों के केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके द्वारा विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया।इस कॉन्क्लेव ने जनजातीय उद्यमिता को नई दिशा देने का कार्य किया। अपने उद्घाटन संबोधन में मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि "जनजातीय समुदाय केवल संरक्षण के पात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार हैं।उनके पारंपरिक ज्ञान, प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उनकी समझ और उनकी जीवन शैली आज के सतत विकास के मॉडल को दिशा दे सकती है।"मंत्री ने आगे कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर बनाना है, न कि केवल सहायता पर निर्भर रखना। उन्होंने लघु वन उपज (MFP) के मूल्यवर्धन,स्थानीय उत्पादों के ब्रांडिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बाजार विस्तार पर विशेष बल दिया।उनके अनुसार,"जब एक आदिवासी कारीगर का उत्पाद सीधे उपभोक्ता तक पहुँचता है, तो वह केवल एक वस्तु का लेन-देन नहीं होता,बल्कि वह विश्वास, परंपरा और संस्कृति का आदान-प्रदान होता है।"

कॉन्क्लेव के अंतर्गत पाँच विषयगत सत्र आयोजित किए गए,जिनमें सतत आजीविका,लघु वन उपज का मूल्य संवर्धन,बाजार संपर्क, कौशल विकास और जनजातीय उद्यमशीलता को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों,नीति निर्माताओं और उद्यमियों ने मिलकर यह विचार किया कि किस प्रकार जनजातीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है।महोत्सव के दौरान आयोजित भारत ट्राइब्स बिजनेस कॉन्क्लेव और CSR कॉन्क्लेव ने भी साझेदारी और निवेश के नए अवसरों को जन्म दिया।कॉर्पोरेट जगत और जनजातीय उद्यमों के बीच संवाद ने यह स्पष्ट किया कि यदि सही दिशा और सहयोग मिले,तो जनजातीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं।इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है।यहाँ प्रस्तुत होने वाले लोक नृत्य,संगीत, पारंपरिक वेशभूषा और जीवन शैली भारत की उस आत्मा को सामने लाते हैं, जो प्रकृति के साथ संतुलन में जीने की कला सिखाती है।सरकार द्वारा संचालित वन धन योजना के माध्यम से देशभर में स्थापित वन धन विकास केंद्रों ने जनजातीय समुदायों के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया है। ये केंद्र स्थानीय संसाधनों के प्रसंस्करण और विपणन में सहायता करते हैं, जिससे कारीगरों की आय में वृद्धि होती है।महोत्सव में इन केंद्रों की सक्रिय भागीदारी इस योजना की सफलता का प्रमाण है।केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने अपने संबोधन में यह भी उल्लेख किया कि सरकार पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि "जनजातीय समाज की जीवन शैली में वह ज्ञान निहित है,जो पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।हमें इस ज्ञान को संरक्षित करते हुए उसे आधुनिक संदर्भों में उपयोग करना होगा।"इस महोत्सव में आए आगंतुकों के लिए यह एक अनूठा अनुभव रहा। जहां एक ओर वे देश के विभिन्न हिस्सों से आए उत्पादों को देख और खरीद सके, वहीं दूसरी ओर उन्हें जनजातीय संस्कृति को करीब से समझने का अवसर मिला।बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक,सभी वर्गों के लोगों ने इस आयोजन में उत्साह पूर्वक भाग लिया।इस विस्तारित अवधि ने विशेष रूप से उन कारीगरों को लाभ पहुंचाया है,जो दूरदराज के क्षेत्रों से यहां पहुंचे हैं।उनके लिए यह केवल एक व्यापारिक अवसर नहीं,बल्कि अपने अस्तित्व और पहचान को स्थापित करने का मंच है।कई कारीगरों ने यह साझा किया कि इस महोत्सव ने उन्हें न केवल आर्थिक लाभ दिया है,बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है।

भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 का यह विस्तार एक व्यापक संदेश देता है—विकास तभी सार्थक है,जब वह समावेशी हो।जब समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक अवसर पहुंचे, तभी वास्तविक प्रगति संभव है। जनजातीय समुदाय,जो सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन जीते आए हैं,आज आधुनिक भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 केवल एक महोत्सव नहीं, बल्कि एक आंदोलन है - आत्मनिर्भर भारत की दिशा में, सांस्कृतिक गौरव के पुनर्स्थापन की दिशा में और जनजातीय समाज के सशक्तिकरण की दिशा में।इसका विस्तार इस बात का प्रमाण है कि देश अब अपनी जड़ों की ओर लौटते हुए, उन्हें आधुनिकता के साथ जोड़कर आगे बढ़ने के लिए तैयार है।आयोजकों द्वारा इस अवशर आगंतुकों से आह्वान किया गया है कि वे इस विस्तारित अवसर का अधिकतम लाभ उठाएँ और इस महोत्सव में आकर न केवल खरीदारी करें,बल्कि उस भारत को महसूस करें,जो अपनी विविधता में एकता का सजीव उदाहरण है - एक ऐसा भारत,जहाँ परंपरा और प्रगति साथ-साथ चलती हैं।

आज फिर महावीर की ज़रूरत

मुस्ताअली बोहरा

(महावीर जयंती पर विशेष)

आज जिस तरह से पूरी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है और खून-खराबा हो रहा है, उससे आज फिर महावीर स्वामी की जरूरत आन पड़ी है। उनके जिओ और जीने दो का संदेश आज फिर प्रासंगिक है। भगवान महावीर का जीवन करीब ढाई हजार साल से पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ा रहा है। पंचशील सिद्धान्त के प्रवतक और जैन धर्म के चैबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रमुख ध्वेजवाहकों में हैं। जैन ग्रंथों के अनुसार 23वें तीर्थंकर पाश्र्वनाथ जी के मोक्ष प्राप्ति के बाद 298 वर्ष बाद महावीर स्वामी का जन्म ऐसे युग में हुआ जहां पशु बलि, हिंसा और जाति-पाति का भेदभाव, अन्य अंधविश्वास और कुरीतियां थी। महावीर स्वामी ने दुनिया को ये बताया कि धर्म दिखावे की वस्तु नहीं है। धर्म कहीं बाहर नहीं बल्कि अंतरात्मा में होता है। भगवान महावीर सिर्फ जैनियों के ही नहीं हैं बल्कि जन-जन के हैं। भगवान महावीर की जयंती जन्म कल्याणक पर्व के रूप में मनाई जाती है। महावीर जन्म कल्याणक हर वर्ष चैत्र माह के 13 वें दिन मनाया जाता है।

हालांकि, महावीर स्वामी के जीवन को लेकर श्वेताम्बर और दिगम्बर जैनियों में कई तरह के अलग-अलग तथ्य हैं। महावीर या वर्धमान जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान ऋषभनाथ की परम्परा में 24वें जैन तीर्थंकर थे। वे अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। बचपन में महावीर का नाम वर्धमान था। बाल्यकाल से ही यह साहसी, तेजस्वी, ज्ञान पिपासु और अत्यंत बलशाली होने के कारण महावीर कहलाए। भगवान महावीर ने अपनी इन्द्रियों को जीत लिया था, जिस कारण इन्हें जीतेंद्र भी कहा जाता है। महावीर स्वामी को और भी नामों से जाना जाता है जैसे अर्हत, जिन, निर्ग्रथ, महावीर, अतिवीर आदि। इनके जिन नाम से ही आगे चलकर इस धर्म का नाम जैन धर्म पड़ा।

महावीर स्वामी का जन्म 599 ई.पू. (कुछ विद्वानों के अनुसार 540 ई.पू.) चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन बिहार राज्य के वैशाली के अन्तर्गत कुण्डग्राम नामक गाँव में हुआ था। भगवान महावीर की माता महारानी त्रिशला और पिता महाराज सिद्धार्थ थे। माता त्रिशला वैशाली के लिच्छवी वंश के राजा चेटक की बहिन थी। महावीर स्वामी के पिता सिद्धार्थ इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा थे। भगवान महावीर कई नामों से जाने गए उनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति, श्रमण आदि हैं। महावीर स्वामी के भाई नंदिवर्धन और बहन सुदर्शना थी। बचपन से ही महावीर तेजस्वी और साहसी थे। शिक्षा पूरी होने के बाद इनके माता-पिता ने इनका विवाह राजकुमारी यशोदा के साथ कर दिया गया था। भगवान महावीर ने अपनी कठिन तपस्या से अपने जीवन को अनूठा बनाया। जन्म के बाद महावीर स्वामी का नाम वर्धमान रखा। कहा जाता है कि महावीर स्वामी अंतर्मुखी स्वभाव के थे, शुरुआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी, परंतु माता-पिता की इच्छा के कारण उन्होंने बसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ विवाह किया, कहीं-कहीं लिखा हुआ यह भी मिलता है कि उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया था। कुछ विद्वानों के अनुसार यशोदा कलिंग नरेश की पुत्री थीं।

जैन शास्त्रों के अनुसार वैशाली नगरी के निकट कुण्डग्राम में राजा सिद्धार्थ अपनी पत्नी प्रियकारिणी के साथ निवास करते थे। इन्द्र ने यह जानकर कि प्रियकारिणी के गर्भ से तीर्थंकर पुत्र का जन्म होने वाला है, उन्होंने प्रियकारिणी की सेवा के लिए षटकुमारिका देवियों को भेजा। प्रियकारिणी ने ऐरावत हाथी के स्वप्न देखे जिससे राजा सिद्धार्थ ने भी यही अनुमान लगाया कि तीर्थंकर का जन्म होगा। आषाढ़, शुक्ल पक्ष की षष्ठी के अवसर पर पुरुषोत्तर विमान से आकर प्राणतेन्द्र ने प्रियकारिणी के गर्भ में प्रवेश किया। चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को सोमवार के दिन वर्धमान का जन्म हुआ। देवताओं को इसका पूर्वाभास था। अत सबने विभिन्न प्रकार के उत्सव मनाये तथा बालक को विभिन्न नामों से विभूषित किया। इस बालक का नाम सौधर्मेन्द्र ने वर्धमान रखा तो ऋद्धिधारी मुनियों ने सन्मति रखा। संगमदेव ने उसके अपरिमित साहस की परीक्षा लेकर उसे महावीर नाम से अभिहित किया।

महावीर स्वामी के माता-पिता की मृत्यु के पश्चात उनके मन में वैराग्य लेने की इच्छा जागृत हुई परंतु जब उन्होंने इसके लिए अपने बड़े भाई से आज्ञा मांगी तो भाई ने कुछ समय रुकने का आग्रह किया। तब महावीर ने अपने भाई की आज्ञा का मान रखते हुए 2 वर्ष पश्चात 30 वर्ष की आयु में वैराग्य लिया। इतनी कम आयु में घर का त्याग कर 'केशलोच' के पश्चात जंगल में रहने लगे। महावीर स्वामी के शरीर का वर्ण सुवर्ण और चिह्न सिंह था। इनके यक्ष का नाम ब्रह्म शांति और यक्षिणी का नाम सिद्धायिका देवी था। जैन धर्मावलंबियों के अनुसार भगवान महावीर के गणधरों की कुल संख्या 11 थी, जिनमें गौतम स्वामी इनके प्रथम गणधर थे। महावीर ने मार्गशीर्ष दशमी को कुंडलपुर में दीक्षा की प्राप्ति की और दीक्षा प्राप्ति के पश्चात् 2 दिन बाद खीर से इन्होंने प्रथम पारणा किया। दीक्षा प्राप्ति के बाद 12 वर्ष और 6.5 महीने तक कठोर तप करने के बाद वैशाख शुक्ल दशमी को ऋजुबालुका नदी के किनारे साल वृक्ष के नीचे भगवान महावीर को कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसके बाद उन्हें 'केवलि' नाम से जाना गया तथा उनके उपदेश चारों और फैलने लगे, बड़े-बड़े राजा महावीर स्वामी के अनुयायी बनें। उनमें से बिम्बिसार भी एक थे। 30 वर्ष तक महावीर स्वामी ने त्याग, प्रेम और अहिंसा का संदेश फैलाया और बाद में वे जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर बनें और विश्व के श्रेष्ठ तीर्थंकरों में शुमार हुए। अपनी सभी इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर लेने की वजह से वे जितेन्द्रिय या 'जिन' कहलाए। जिन से ही जैन धर्म को अपना नाम मिला। जैन धर्म के गुरुओं के अनुसार भगवान महावीर के कुल 11 गणधर थे, जिनमें गौतम स्वामी पहले गणधर थे। तीस वर्ष की आयु में महावीर स्वामी ने पूर्ण संयम के साथ श्रमण बन गए। दीक्षा लेने के बाद महावीर स्वामी ने बहुत कठिन तपस्या की और विभिन्न कठिन उपसर्गों को समता भाव से ग्रहण किया। साधना के बारहवें वर्ष में महावीर स्वामी जी मेढ़िया ग्राम से कोशम्बी आए तब उन्होंने पौष कृष्णा प्रतिपदा के दिन एक बहुत ही कठिन अभिग्रह धारण किया। इसके पश्चात साढ़े बारह वर्ष की कठिन तपस्या और साधना के बाद ऋजुबालिका नदी के किनारे महावीर स्वामी जी शाल वृक्ष के नीचे वैशाख शुक्ल दशमी के दिन केवल ज्ञान-केवल दर्शन की उपलब्धि हुई। तभी से वे महावीर या जिन कहलाए। इनके जिन नाम से ही आगे चलकर इस धर्म का नाम जैन धर्म पड़ा। जैन धर्म में अहिंसा तथा कर्मों की पवित्रता पर विशेष बल दिया जाता है। भगवान महावीर अहिंसा और अपरिग्रह की साक्षात मूर्ति थे। वे सभी के साथ सामान भाव रखते थे और किसी को कोई भी दुःख देना नहीं चाहते थे।

महावीर को अर्हत, जिन, निर्ग्रंथ, महावीर, वीर, अतिवीर और सन्मती के नाम से भी जाना जाता है। वे महावीर स्वामी ही थे, जिनके कारण 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों ने 'जैन धर्म' का रूप धारण किया। भगवान महावीर के कार्यकाल को ईराक के जरथ्रुष्ट, फिलिस्तीन के जिरेमिया, चीन के कन्फ्यूसियस तथा लाओत्से और युनान के पाइथोगोरस, प्लेटो और सुकरात के समकालीन माना जाता है। महावीर स्वामी के उपदेशों से प्रभावित होकर बिम्बसार और चंद्रगुप्त मौर्य सहित अन्य राजा भी जैन धर्म के अनुयायी बने। भगवान महावीर ने अहिंसा को जैन धर्म का आधार बनाया, उन्होंने तत्कालीन हिन्दु समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था का विरोध किया और सबको समान मानने पर जोर दिया। उन्होंने 'जियो और जीने दो' के सिद्धान्त पर जोर दिया। तीर्थंकर महावीर अहिंसा और अपरिग्रह का जीवंत उदाहरण थे। भगवान महावीर ने अहिंसा, तप, संयम, पांच महाव्रत, पांच समिति, तीन गुप्ति, अनेकान्त, अपरिग्रह एवं आत्मवाद का संदेश दिया। महावीर स्वामी ने यज्ञ के नाम पर होने वाले पशु-पक्षी तथा नर की बली का पूर्ण रूप से विरोध किया। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए उन्होंने पांच व्रत दिए, जिसमें अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह शामिल है, इसे पंचशील भी कहा जाता है। 527 ईसा पूर्व कार्तिक मास की अमावस्या को दीपावली के दिन महावीर स्वामी निर्वाण को प्राप्त हुए। निर्वाण के समय भगवान महावीर स्वामी की आयु 72 वर्ष की थी। बिहार के पावापुरी में उन्होंने अपनी देह का त्याग किया। भगवान महावीर की मृत्यु के दो सौ साल बाद, जैन धर्म श्वेताम्बर और दिगम्बर सम्प्रदायों में बंट गया। दिगम्बर सम्प्रदाय के जैन संत वस्त्रों का त्याग कर देते हैं, इसलिए दिगम्बर कहलाते हैं जबकि श्वेताम्बर सम्प्रदाय के संत श्वेत वस्त्र धारण करते हैं।

जैन धर्म के मानने वाले संसार को किसी की रचना नहीं मानते। उनका विश्वास था कि संसार अनादि-काल से है और अनन्त है। जैनी लोग ईश्वर के स्थान पर तीर्थंकरों की उपासना करते हैं। जैन धर्म आत्मा की एकता में विश्वास नहीं करता। उसके अनुसार जिस प्रकार जीव अलग-अलग होते हैं उसी प्रकार उनमें आत्मा भी अलग-अलग होती है। इस प्रकार जितने जीव हैं, उतनी ही आत्माएँ होंगी। जैन मतावलंबी कर्मवाद अर्थात् कर्मानुसार फल की प्राप्ति तथा पुनर्जन्म के सिद्धान्त को स्वीकार करते हैं। पिछले जीवन के कार्यों का फल भोगने के लिए मनुष्य का पुनर्जन्म होता है। पुनर्जन्म से छुटकारा पाना ही मोक्ष है। यह त्रिरत्न के पालन से सम्भव है। निर्वाण ही मनुष्य का अन्तिम उद्देश्य होना चाहिए क्योंकि निर्वाण वास्तविक सुख है। निर्वाण से मनुष्य जन्म-मरण के चक्कर से छुटकारा पा जाता है। महावीर के अनुसार जीव के भौतिक अंश का नाश हो जाना ही निर्वाण है। महावीर स्वामी का कहना है कि यदि मनुष्य तीन रत्नों के अनुसार आचरण करे तो वह कर्म के बंधन से छुटकारा पा सकता है। ये तीन रत्न हैं सम्यक श्रद्धा, सम्यक् ज्ञान, सम्यक् आचरण। सम्यक ज्ञान का अर्थ है पूर्ण सच्चा ज्ञान, सम्यक् आचरण का अर्थ सदाचरमय जीवन है और सत में विश्वास सम्यक् श्रद्धा है। इनके पालन से ही कैवल्य की प्राप्ति होती है। सत्य पर भी जैनियों ने जोर दिया। अस्तेय का अर्थ है आज्ञा के बिना किसी अन्य की वस्तु न लेना। अपरिग्रह का अर्थ है सांसारिक बस्तों से मोह तोड़ना, जहाँ तक हो सके अधिक वस्तुओं का संग्रह न करना। ब्रह्मचर्य का अर्थ है, इन्द्रियों को वश में करना। जैन धर्म में तप तथा व्रत का बड़ा महत्व है। जैनियों का विश्वास है कि मन-कर्म-वचन से व्रतों का पालन करना मोक्ष का साधन हैं। अहिंसा जैन धर्म का मूल मंत्र है। महावीर स्वामी ने कर्मकाण्ड को व्यर्थ बताया और विशुद्ध आचरण को मोक्ष प्राप्ति के लिए आवश्यक बताया। नैतिकता और सदाचार जैन धर्म की आधारशिला है।

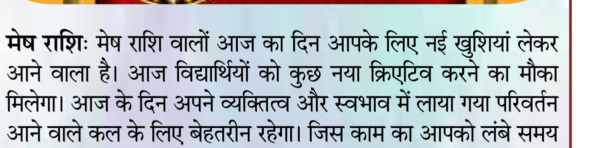

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई खुशियां लेकर आने वाला है। आज विद्यार्थियों को कुछ नया क्रिएटिव करने का मौका मिलेगा। आज के दिन अपने व्यक्तित्व और स्वभाव में लाया गया परिवर्तन आने वाले कल के लिए बेहतरीन रहेगा। जिस काम का आपको लंबे समय से इंतजार था वो आज पूरे हो जाएगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। सामाजिक तथा पारिवारिक लोगों की तरफ से विशेष मान-सम्मान मिलेगा। यह समय रुकी हुई पेमेंट को कलेक्ट करने तथा आर्थिक स्थितियों को मजबूत करने के लिए उत्तम है। आज नौकरी कर रहे लोगों को फोन द्वारा किसी उच्चाधिकारी से महत्वपूर्ण सूचना मिल सकती है। घर में किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से किसी खास मुद्दे पर सकारात्मक विचार-विमर्श होगा।

मिथुन राशिःमिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज का समय उपलब्धियों वाला है। आज अपनी पूरी मेहनत व ऊर्जा अपने कार्यों के प्रति लगाएंगे। आज आपको ध्यान रखना होगा कि किसी व्यवसायी के साथ लड़ाई-झगड़े जैसी स्थिति उत्पन्न न हो इसलिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आप खुशियों से भरे दिन की शुरुआत करने वाले हैं। पारिवारिक मामलों को लेकर आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ेगी। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान होने से आपका मान-सम्मान भी बढ़ेगा। आपके व्यक्तिगत काम भी आज काफी हद तक सुचारू रूप से पूरे हो जाएंगे। आज व्यवसायिक कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव करने की योजना बनाएंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी अपरिचित व्यक्ति से ज्यादा घुलने-मिलने से बचने का प्रयास करें। कभी-कभी बहुत ज्यादा आत्म केंद्रित होना और ईगो की भावना रखने से आपसी संबंधों में मतभेद हो सकते हैं इसलिए आज आपको अपने स्वभाव में बदलाव करना जरूरी होगा। आज माता जी की सलाह से लिया गया निर्णय निकट भविष्य में बहुत लाभदायक साबित होगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा और आपका रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहना दूसरों के बीच आकर्षण का केंद्र बनेगा। आज किसी अटके हुए काम को पूरा करने के लिए उचित समय है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए नई योजना बनाएंगे, योजना भविष्य में कारगर साबित होगी। आज स्वास्थ्य संबंधी हल्की-फुल्की परेशानी रहने की वजह से आलस और सुस्ती रह सकती है, जिसका असर आपकी कार्यप्रणाली पर पड़ सकता है। सकारात्मक बने रहने के लिए अच्छे साहित्य और पारिवारिक लोगों के संपर्क में रहना बढ़िया रहेगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा साथ ही आज अपनी छिपी हुई प्रतिभा को पहचानकर उसे रचनात्मक कार्यों में लगाएंगे जिससे आपको मानसिक सुकून मिलेगा। आज के दिन अधिकतर समय परिवार लोगों के साथ बीतेगा, घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों के लिए आज नए विचारों से भरपूर रहेगा। कला के क्षेत्र में आज आपको अपनी क्रिएटिविटी दिखाने का अवसर मिलेगा। आज किसी भी काम को सावधानीपूर्वक करें। जल्दबाजी करने से काम बिगड़ सकता है। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन आर्थिक रूप से बढ़िया रहेगा, उन्हें अच्छा मुनाफा मिलने के योग बन रहे हैं।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन कुछ नए बदलाव लाने वाला है। आज नौकरी कर रहे लोगों को अपने किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। प्राइवेट जॉब करने वाले लोग यदि जॉब स्विच करने की सोच रहे हैं तो कर सकते हैं, बढ़िया लाभ मिलने के योग हैं। आज जीवनसाथी के साथ खट्टी-मीठी नोक-झोंक हो सकती है।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आपके प्रतिद्वंद्वी आपको परेशान नहीं करेंगे और आपकी पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भागदौड़ अधिक होगी। आज राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े मित्र की पावर आपके लिए कारगर साबित होगी। उसके साथ लाभदायक बिंदुओं पर विचार-विमर्श भी होगा। दोस्तों के साथ रोमांचक यात्रा हो सकती है।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपको व्यापार के कुछ मामलों में अचानक लाभ हो सकता है। आज आमदनी का नया स्त्रोत आपको मिलेगा। आज अपने जीवन को सकारात्मक नजरिए से समझने की कोशिश करेंगे तो इससे चल रही गलतफहमियां सुलझ जाएंगी।

युद्धग्रस्त विश्व में महावीर की अहिंसाः शांति की एकमात्र राह

श्रमण डॉ पुष्पेंद्र

आज का विश्व एक विचित्र विरोधाभास से गुजर रहा है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और वैश्वीकरण ने मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, वहीं दूसरी ओर युद्ध, हिंसा और असहिष्णुता ने मानवता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। विश्व के अनेक क्षेत्रों में चल रहे संघर्ष, आतंकवाद, सामरिक प्रतिस्पर्धा और आंतरिक कलह यह संकेत देते हैं कि भौतिक प्रगति के बावजूद मनुष्य अभी भी मानसिक और नैतिक रूप से अस्थिर है। ऐसे समय में जब राष्ट्र अपनी शक्ति का प्रदर्शन हथियारों और युद्ध के माध्यम से कर रहे हैं, मानव जीवन का मूल्य कहीं पीछे छूटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह समाज, परिवार और व्यक्ति के मनोविज्ञान को भी प्रभावित करता है। हिंसा का यह वातावरण भय, असुरक्षा और अविश्वास को जन्म देता है, जिससे शांति और सह-अस्तित्व की संभावनाएं क्षीण हो जाती हैं। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि हिंसा कभी भी स्थायी समाधान नहीं दे सकती। युद्ध भले ही किसी समस्या का तात्कालिक समाधान प्रतीत हो, लेकिन वह दीर्घकाल में और अधिक संघर्षों को जन्म देता है। आज आवश्यकता है एक ऐसे दृष्टिकोण की, जो केवल शक्ति और प्रभुत्व पर नहीं, बल्कि संवेदना, सह-अस्तित्व और नैतिकता पर आधारित हो।

यहीं पर तीर्थंकर भगवान महावीर के अहिंसा के सिद्धांत की प्रासंगिकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भगवान महावीर ने अहिंसा को केवल शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे विचार, वचन और कर्म—तीनों स्तरों पर लागू किया। उनके अनुसार किसी भी प्राणी को पीड़ा पहुंचाना हिंसा है, चाहे वह प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष।

प्रभु महावीर का अहिंसा का सिद्धांत आज के युद्धग्रस्त विश्व के लिए एक नैतिक दिशा प्रदान करता है। यदि हम उनके विचारों को गहराई से समझें, तो यह स्पष्ट होता है कि युद्ध की जड़ें बाहरी परिस्थितियों में नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर उत्पन्न होने वाले राग, द्वेष, अहंकार और लालच में निहित हैं। जब तक इन मानसिक प्रवृत्तियों पर नियंत्रण नहीं किया जाएगा, तब तक बाहरी शांति स्थापित नहीं हो सकती।

आज के समय में हिंसा केवल युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है। यह हमारे दैनिक जीवन में भी विभिन्न रूपों में उपस्थित है—विचारों की कट्टरता, शब्दों की कठोरता, सामाजिक विभाजन और डिजिटल माध्यमों पर फैलती नफरत के रूप में। महावीर का संदेश हमें यह सिखाता है कि वास्तविक अहिंसा का पालन तभी संभव है, जब हम अपने भीतर की नकारात्मकता को पहचानकर उसे नियंत्रित करें।

विशेष रूप से वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में, जहां राष्ट्रों के बीच अविश्वास और प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है, ऐसे वक्त पर तीर्थंकर महावीर का "जियो और जीने दो" का सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक है। यह सिद्धांत केवल व्यक्तिगत जीवन के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक नीतियों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है। यदि राष्ट्र एक-दूसरे के अस्तित्व, संप्रभुता और हितों का सम्मान करें, तो संघर्ष की संभावनाएं स्वतः कम हो सकती हैं। इसके साथ ही, महावीर का अपरिग्रह का सिद्धांत भी वर्तमान युद्ध और हिंसा के मूल कारणों को समझने में सहायक है। संसाधनों की अंधाधुंध होड़, विस्तारवादी नीतियां और आर्थिक लालसा ही कई संघर्षों का आधार हैं। यदि सीमित इच्छाओं और संतुलित उपभोग को अपनाया जाए, तो न केवल सामाजिक असमानताएं कम होंगी, बल्कि युद्ध के कारण भी कमजोर पड़ेंगे।

महावीर द्वारा प्रतिपादित रत्नत्रय—सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र—आज के समय में एक समग्र समाधान प्रस्तुत करता है। सम्यक दर्शन हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर वस्तुस्थिति को समझने की प्रेरणा देता है। सम्यक ज्ञान हमें सत्य और असत्य में भेद करने की क्षमता प्रदान करता है, जिससे हम गलत सूचनाओं और भ्रामक विचारों से बच सकते हैं। और सम्यक चरित्र इन दोनों का व्यावहारिक रूप है, जो हमारे आचरण को नैतिक और संतुलित बनाता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अभी विराट और बेहतर प्रदर्शन करेंगे : रायुडू

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने विराट कोहली के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अभी उनका और भी बेहतर प्रदर्शन आईपीएल में देखने को मिलेगा। रायुडू के अनुसार जिस प्रकार विराट ने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की है। उससे पता चला है कि इस बार वह और भी बेहतर लय में हैं। उन्होंने सनराइजर्स के खिलाफ 38 गेंदों पर ही नाबाद 69 रन बना दिये। उनकी इस पारी में पांच चौके और इतने ही छक्के थे। इससे आरसीबी 15.2 ओवर में ही लक्ष्य तक पहुंची। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, पूरी पारी के दौरान विराट की बल्लेबाजी बेहतर होती गयी। इससे तय है कि जैसे-जैसे वह और जमेंगे हमें उनकी और अच्छी पारियां देखने को मिलेंगी। शुरुआत में वह कुछ परेशान पर समय के साथ उन्होंने लय हासिल कर ली। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा

, हमने जो देखा है, वह तो बस एक ट्रेलर है। फिटनेस उनके लिए कभी कोई मुद्दा नहीं रही। मुझे नहीं लगता कि उन्हें अपनी शारीरिक

फिटनेस, गेंद पर देर से पहुंचने, या मैदान पर धीमे पड़ने को लेकर कभी कोई परेशानी होगी। एकमात्र चीज़ जो उन्हें पीछे धकेल सकती है, वह है उनकी मानसिक स्थिति। मुझे नहीं लगता कि उनका करियर खत्म होने के करीब भी है। मुझे अभी भी उनमें पांच से छह साल का बेहतरीन खेल बाकी दिखता है। मुझे लगता है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट में वापसी करनी चाहिए। वह भारतीय क्रिकेट में अब तक के सबसे बेहतरीन टेस्ट कप्तान रहे हैं, जिन्हें कम से कम मैंने तो देखा है। उन्हें वापसी करनी चाहिए; जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि उनका बाहर रहना भारतीय क्रिकेट के लिए एक नुकसान है," उन्होंने आगे कहा। अगर आप उन्हें कप्तानी सौंपते हैं, तो यह उनके लिए एक बहुत बड़ी प्रेरणा होगी। मुझे लगता है कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीतना उनके लिए एक शानदार चुनौती होगी। वह इतने फिट हैं कि मुझे नहीं लगता कि फिटनेस कोई चिंता का विषय हो सकता है।"

वहीं आरसीबी के पूर्व हेड कोच संजय बांगर के अनुसार, विराट की धीमी शुरुआत एक रणनीति का हिस्सा थी। उन्होंने कहा, "अगर उनके आसपास के बल्लेबाज अपना काम तेजी से कर रहे हैं तो जरूरी नहीं कि उन्हें तुरंत आक्रामक होना पड़े क्योंकि वह किसी भी समय अपना स्ट्राइक रेट बढ़ा सकते हैं। जब जरूरत हो, वह आसानी से बाउंड्री या छक्के लगा सकते हैं।"ऐसे में जब देवदत्त पडिक्कल आउट हुए और कप्तान रजत पाटीदार क्रीज पर आए तो उन्होंने बीच के ओवरों में ही अपनी रणनीति बदलते हुए स्पिनर्स के खिलाफ 12 गेंदों पर ही 31 रन बना दिये थे। इसके बाद पारी के अंतिम हिस्से में कोहली ने तेजी से 33 गेंदों पर अर्धशतक पूरा करने के बाद 38 गेंदों पर 69 रन बना दिये। अंतिम पांच गेंदों में 19 रन बनाकर उन्होंने पूरे सत्र के लिए अपनी इरादे जता दिये। बांगर ने कहा, "जब कोहली को पता होता है कि मैच पूरी तरह नियंत्रण में है तो उन्हें जीत के रन बनाकर बहुत खुशी मिलती है। वहीं, टिके रहकर अपनी टीम को जीतते हुए देखना उन्हें पसंद है।

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये

एजेंसी, मुम्बई

मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया।

इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये। इसके साथ ही वह टी20 में 500 से ज्यादाछक्के लगाने

वाले पहले एशियाई खिलाड़ी व विश्व के 9वें खिलाड़ी बन गये हैं। इस पारी के दौरान ही रोहित ने केकेआर के खिलाफ अपने 1100 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ ही केकेआर के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले मुम्बई के खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर में 50वीं बार 50 से अधिक स्कोर बनाया। इसके साथ वह ऐसा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। विराट कोहली के बाद वह दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं जिसने इतने अधिक अर्धशतक लगाये हैं।

सैम करन बोले, कोच मैक्कुलम से उनका हुआ था टकराव

एजेंसी, लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम और क्रिकेट डायरेक्टर रॉब की के रवैये पर एक बार फिर सवाल उठे हैं। हाल ही में लियाम लिविंगस्टोन और जॉनी बेयरस्टो ने इन दोनो की नीतियों पर सवाल उठाये थे। वहीं अब ऑलराउंडर सैम करन ने कहा है कि एक बार टीम से बाहर किये जाने पर उनका कोच से टकराव तक हो गया था। काउंटी क्रिकेट सत्र के ठीक पहले करन के आये इस बयान से साफ है कि इंग्लैंड की टीम से बाहर किए गए खिलाड़ियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं होता है।

आईपीएल में सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज है ऋषभ

एजेंसी, मुम्बई। आईपीएल में सबसे कम गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं। उन्होंने 2080 गेंदों का सामना करते हुए 3000 रन बनाए हैं। ऋषभ अभी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान हैं और इस सत्र में उनके प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। सबसे कम गेंदों में 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में सूची में दूसरे नंबर पर पूर्व ऑलराउंडर युसूफ पठान हैं। पठान ने 2082 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूची में तीसरे स्थान पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव का नाम है। यादव

ने 2130 गेंदों का सामना करते हुए आईपीएल में अपने 3000 रन पूरे किए हैं। इस सूची में चौथे स्थान पर पूर्व बल्लेबाज और सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने 2135 गेंदों में 3000 रन बनाए हैं। रैना के बाद इस सूची में महेंद्र सिंह धोनी का नाम है। धोनी इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने 2152 गेंदों में 3000 रन बनाने का कारनामा किया है। वहीं स सूची में अब 6वें नंबर पर ईशान किशन का नाम आ गया है और उन्होंने 2180 गेंदों में अपने तीन हजार रन पूरे किए हैं। लोकेश राहुल सूची में 7वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 2203 गेंदों में 3000 रन बनाए थे। सनराजइर्स हैदराबाद की कप्तान संभाल रहे ईशान किशन ने आईपीएल के इस सत्र के पहले ही मैच में अपने इरादे जता दिये हैं। ईशान ने पहले ही मैच में 8 चौकों और 5 छक्कों की सहायता से 80 रन बनाकर किशन का स्ट्राइट रेट 210 से ज्यादा का रहा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने केकेआर के कप्तान रहाणे के बयान पर नाराजगी जतायी

ग्रीन गेंदबाजी नहीं करेंगे की बात पहले ही बता दी थी

एजेंसी, सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेल रहे ऑलरांडर कैमरुन ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के मामले को लेकर कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे पर निशाना साधा है। सीए का कहना है कि रहाणे झूठ बोल रहे हैं। साथ ही कहा है कि नीलामी के समय ही ये बात बता दी गयी थी कि ग्रीन पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण आईपीएल में शुरुआती दो सप्ताह तक गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे। ये मामला तब उठा जब मुम्बई इंडियंस के खिलाफ पहले ही मैच में केकेआर की गेंदबाजी अच्छी नहीं होने के बाद भी ग्रीन ने एक भी ओवर नहीं किया जबकि केकेआर ने 25 करोड़ 20 लाख रुपये की बोली लगाकर ग्रीन को खरीदा था। ऐसे में ग्रीन को गेंदबाजी न देने से कई लोगों ने सवाल किये जिसपर रहाणे ने कहा कि ये बात वे सीए से ही पूछें। रहाणे के इसी बयान को लेकर सीए ने नाराजगी जतायी है। सीए का कहना है कि टेस्ट सत्र से उसे अपने केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों पर कामकाज के बोझ को कम करना होता है। यही कारण है कि ग्रीन को उसने आईपीएल में गेंदबाजी की अनुमति नहीं है पर ये बात केकेआर को पहले ही बता दी गयी थी।

पीएसएल में गेंद से छेड़छाड़ करते पाये गये फखर जमां

एजेंसी, लाहौर। पाकिस्तान में पाक सुपर लीग (पीएसएल) 2026 की शुरुआत में ही विवाद हो गया है। सुपर लीग में गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद एक बार फिर हडकंप मचा हुआ है। इससे पाक क्रिकेट में व्याप्त बेइमानी की पोल एक बार फिर खुल गयी है। इस बार बल्लेबाज फखर जमां गेंद से छेड़छाड़ करते हुए पाये गये हैं जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इस मामले में फखर के अलावा कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, गेंदबाज हारिस राउफ और बल्लेबाज फखर जमां पर भी कार्रवाई होने की संभावनाएं हैं। गेंद से छेड़छाड़ का ये मामला

पीएसएल के लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स मैच का है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीएसएल का छठा लीग मैच लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेला जा रहा था। इस मैच में कम रन बने थे पर अंतिम ओवर में गेंद से छेड़छाड़ शुरु हो गयी। इसमें शाहीन और राउफ के भी शामिल होने का संदेह है। फखर जब गेंद से छेड़छाड़ कर रहे थे तब कैमरे की नजरें उनपर बनीं थीं। इस मैच में लाहौर कलंदर्स को अंतिम ओवर में जीत के लिए 13 रन बनाने थे।

बिजनेस

फ्लैट लिस्टिंग के बाद उछले स्पेशलिटी मेडिसिन्स के शेयर, मामूली फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

फार्मास्यूटिकल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी स्पेशियलिटी मेडिसिन्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी शुरू होने से आईपीओ निवेशक मामूली फायदे में आ गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 124 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 124 रुपये के स्तर पर ही हुई।

लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे ये शेयर उछल कर 129.50 रुपये के स्तर तक पहुंचा। हालांकि इसके बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। दोपहर 11:15 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 124.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह

अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक पचास पैसे प्रति शेयर यानी 0.40 प्रतिशत के फायदे में थे। स्पेशियलिटी मेडिसिन्स लिमिटेड का 29.14 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 24 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 96.24 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.88 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.85 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 23.50 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपना आरएंडडी सेंटर बनाने, विदेशी बाजार के लिए प्रोडक्ट डेवलपमेंट करने, अपने प्रोडक्ट्स का मार्केटिंग और प्रोमोशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.93 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 8.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 तक कंपनी को 6.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 27.66 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 58.54 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की में अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 तक कंपनी को 36.93 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 2.86 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 तक कंपनी पर 4.81 करोड़ रुपये का कर्ज था। इस अवधि में कंपनी के नेट वर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का नेट वर्थ 15.06 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 23.98 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 तक कंपनी का नेट वर्थ उछल कर 30.04 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 5.26 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 9.09 करोड़ रुपये हो गया।

डब्ल्यूटीओ वार्ता समाप्त, ई-कॉमर्स पर शुल्क से जुड़ी रोक बढ़ाने पर कोई सहमति नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का चार दिवसीय 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी-14) सोमवार को कैमरून के याउंडे में समाप्त हो गया, लेकिन इसमें ई-कॉमर्स पर सीमा शुल्क पर रोक की अवधि को बढ़ाने के विवादास्पद मुद्दे पर कोई समझौता नहीं हो सका। हालांकि, इस दौरान जिनेवा में प्रमुख लंबित मुद्दों पर काम जारी रखने की प्रतिबद्धता भी जताई गई है।

कैमरून के व्यापार मंत्री एवं एमसी-14 के अध्यक्ष ल्यूक मैग्लोयर मबार्गा अटांगा ने 'एक्स' पोस्ट कहा कि विश्व व्यापार संगठन का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी-14) आज सुबह संपन्न हुआ, जिसमें जिनेवा में प्रमुख लंबित मुद्दों पर काम जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई गई। उन्होंने कहा कि चार दिवसीय बैठक के दौरान मंत्रियों ने बातचीत के विभिन्न क्षेत्रों में ज़्यादा से ज़्यादा मुद्दों को सुलझाने के लिए काम किया। अटांगा ने चर्चाओं को आगे बढ़ाने वाले मंत्रियों के साथ-साथ बैठक में मौजूद सभी मंत्रियों

और प्रतिनिधिमंडलों को उनके 'अथक परिश्रम' के लिए धन्यवाद दिया। ल्यूक मैग्लोयर मबार्गा अटांगा ने बताया कि चार दिन की बैठक में व्यापार मंत्रियों ने कई मुद्दों को निपटाने की कोशिश की, लेकिन समय की कमी के कारण कुछ लंबित मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। इनमें ई-कॉमर्स पर डब्ल्यूटीओ की कार्य प्रक्रिया, 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन' पर सीमा शुल्क वसूलने पर लगी वर्तमान रोक को जारी रखने और बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधित पहलुओं (टीआरआईपीएस) से जुड़ी शिकायतों का समाधान जैसे विषय सम्मिलित थे। अब इन विषयों पर चर्चा संगठन के मुख्यालय जिनेवा में होगी।

देश में बैंक एक सख्त कानूनी और नियामक ढांचे के तहत काम करते हैं: सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि देश में बैंक अपने ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए सख्त कानूनी और नियामक ढांचे के तहत काम करते हैं। उन्होंने यह बात प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में कही। वित्त मंत्री ने बताया कि 'अपने ग्राहक को जानें' (केवाईसी) व्यवस्था और भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी दिशानिर्देशों के तहत बैंकों के लिए ग्राहकों की जानकारी की गोपनीयता बनाए रखना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बैंक केवल

आवश्यकता के आधार पर ही ग्राहकों का डेटा एकत्र करते हैं और जरूरत पड़ने पर ही इसे अधिकृत एजेंसियों के साथ साझा किया जाता है। सीतारमण ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंकिंग क्षेत्र में डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पांच प्रमुख कानून लागू हैं। इनमें भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, बैंकिंग कंपनी अधिनियम, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, क्रेडिट सूचना कंपनी अधिनियम और सार्वजनिक वित्तीय संस्थान अधिनियम शामिल हैं, जिनका पालन सभी बैंकों के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यदि किसी ग्राहक को धोखाधड़ी या बिना अनुमति के डेटा साझा किए जाने की शिकायत होती है, तो वह भारतीय रिज़र्व बैंक या संबंधित प्राधिकरण के पास शिकायत दर्ज करा सकता है। ऐसे मामलों में संबंधित संस्थाएं जांच कर आवश्यक कार्रवाई करती हैं। वित्त मंत्री ने सदन को यह भी आश्वस्त किया कि सरकार बैंकिंग प्रणाली में ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क है।

आरबीआई के नीतिगत हस्तक्षेप के बाद सुधरा रुपया, डॉलर के साथ ही यूरो और पौंड की तुलना में भी आई तेजी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रुपये की लगातार कीमतों को थामने के लिए नीतिगत हस्तक्षेप करने के बाद इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में आज भारतीय मुद्रा रुपये ने आज शानदार रिकवरी करते हुए 1.22 रुपये की मजबूती के साथ 93.59 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले अभी तक के सबसे निचले स्तर 94.85 रुपये प्रति डॉलर तक गिरने के बाद 94.81 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। आज शुरुआती कारोबार में ही भारतीय मुद्रा सुधर कर 93.55 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गई। इस तरह बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही रुपये ने अभी तक के सबसे निचले स्तर से 1.30 रुपये की रिकवरी करने में सफलता हासिल की। हालांकि जैसे जैसे कारोबार आगे बढ़ा वैसे-वैसे रुपये की कमजोरी एक बार फिर बढ़ने लगी। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद रुपया ओपनिंग लेवल से 71 पैसे टूट कर 94.30 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा था। मुद्रा बाजार के अभी तक कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) और यूरो के मुकाबले भी मजबूत प्रदर्शन किया है।

सीएमपीडीआई की स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत, डिस्काउंट लिस्टिंग के कारण घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

कोल इंडिया की सहयोगी कंपनी सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 172 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 162.80 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 160 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह इस शेयर ने स्टॉक मार्केट में अपनी शुरुआत ही करीब सात प्रतिशत डिस्काउंट के साथ की। लिस्टिंग के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से कंपनी के शेयर उछल कर 168.70 रुपये के स्तर तक पहुंचे,

लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इसमें दोबारा गिरावट आ गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद सीएमपीडीआई के शेयर बीएसई पर 161.55 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 161.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह से अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को छह प्रतिशत से अधिक का नुकसान हो चुका था। सीएमपीडीआई का 1,842.12 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 24 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.05 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.48 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था।

फिल्म वध 2 की ओटीटी रिलीज से उठा पर्दा

तीन अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर होगा प्रीमियर

स संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की क्राइम थ्रिलर फिल्म वध 2 फरवरी, 2026 में रिलीज हुई थी। सिनेमाघरों में ठीक-ठाक प्रदर्शन करने के बाद, आखिरकार यह डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार हो गई है। जिन लोगों ने अब तक इसका लुत्फ नहीं उठाया है, उनके पास घर बैठकर फिल्म देखने का शानदार मौका आ रहा है। बता दें, साल 2022 में इसकी पहली किस्त वध आई थी जिसकी कहानी को बेहद पसंद किया गया था।

ओटीटी प्ले की रिपोर्ट के मुताबिक, वध 2 के डिजिटल अधिकार नेटफ्लिक्स द्वारा खरीदे गए हैं। फिल्म का प्रीमियर 3 अप्रैल, 2026 को इस प्लेटफॉर्म पर कर दिया जाएगा जिसे सब्सकाइबर यूजर्स फ्री में देख सकेंगे। जाहिर है कि बॉलीवुड फिल्मों के लिए आमतौर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद 8 हफ्ते का समय दिया जाता है, और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वध 2 को रिलीज करने का यह कदम इसी नियम का अनुसरण करता है।

जसपाल सिंह संधू द्वारा लिखित और निर्देशित वध 2 भले ही मध्य प्रदेश की एक जेल पर आधारित हो, लेकिन यह एक स्वतंत्र कहानी है जिसे पिछली किस्त का सीक्वल नहीं कहा जा सकता। फिल्म में संजय ने रिटायर पुलिस गार्ड शंभूनाथ मिश्रा का किरदार निभाया है, जबकि नीना कैदी मंजू सिंह के किरदार में हैं जो दोहरे हत्याकांड के आरोप में 28 साल से जेल में बंद है। इसकी कहानी खतरनाक साजिशों और कानूनी पेचीदगियों के इर्द-गिर्द घूमती है।

शादी को खास बनाने वाली महिलाओं का विजय ने जताया आभार

साउथ के सुपर स्टार विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की शादी के बाद यह जोड़ी लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। विजय देवरकोंडा ने शादी के करीब एक महीने बाद उन महिलाओं के प्रति आभार जताया है, जिन्होंने उनकी शादी को खास और यादगार बनाने में अहम भूमिका निभाई। सोशल मीडिया पर अभिनेता ने एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपनी करीबी दोस्त ऐश्वर्या, ज्वेलरी डिजाइनर अर्पिता और वेडिंग प्लानर प्रिया का दिल से धन्यवाद किया। विजय ने सबसे पहले अपनी दोस्त ऐश्वर्या को याद करते हुए लिखा कि शादी के फैसले के शुरुआती पल से ही वह हर कदम पर उनके साथ खड़ी रहीं। उन्होंने बताया कि ऐश्वर्या ने वेडिंग से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी को संभाला, जिसमें लोकेशन चुनना, खाने का चयन, कपड़ों की खरीदारी, गहनों की डिजाइन, निमंत्रण पत्र, सजावट और यात्रा जैसी तमाम तैयारियां शामिल थीं। विजय ने अपनी दोस्त के प्रति आभार जताने के लिए एक अनोखा तरीका भी अपनाया। उन्होंने खुलासा किया कि रिसेप्शन में उन्होंने जो एक्सेसरीज़ पहनी थीं, वे ऐश्वर्या की ही थीं। खास तौर पर उन्होंने ऐश्वर्या की पायल को गले का हार और कंगन के रूप में पहनकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं, ताकि इस खास रिश्ते की याद हमेशा उनके साथ रहे। इसके अलावा विजय ने ज्वेलरी डिजाइनर अर्पिता की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अर्पिता ने उनकी कल्पनाओं को खूबसूरत डिजाइन में ढाला। अभिनेता के मुताबिक, उन्होंने जो भी डिजाइन सोचे, अर्पिता ने उन्हें वास्तविक रूप दिया और कभी 'असंभव' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। विजय ने कहा कि उनके बनाए गए स्केच उनकी कल्पना से भी ज्यादा शानदार और कलात्मक थे। वहीं वेडिंग प्लानर प्रिया के काम की सराहना करते हुए विजय ने कहा कि उनके बिना यह शादी इतनी शानदार तरीके से संभव नहीं हो पाती। उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा कि अब भविष्य में परिवार के सभी बड़े आयोजनों की जिम्मेदारी भी प्रिया ही संभालेंगी। विजय देवरकोंडा का यह पोस्ट न सिर्फ उनके विनम्र स्वभाव को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वह अपने करीबियों के योगदान को कितनी अहमियत देते हैं।

बादशाह की सवारी करेंगी सौम्या टंडन, शुरू की घुड़सवारी की ट्रेनिंग

अभिनेत्री सौम्या टंडन इन दिनों स्पाई एक्शन फिल्म धुरंधरः द रिवेंज को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। इस बीच, अभिनेत्री ने अपने नए शौक का खुलासा किया और बताया कि उन्होंने उसकी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उन्हें घुड़सवारी का काफी शौक था, जिसकी उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। फिल्म की सफलता के बाद सौम्या अब अपनी नई रुचि पर फोकस कर रही हैं। घुड़सवारी उनके लिए न सिर्फ नया शौक है बल्कि एक सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम भी है।

सौम्या ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे घोड़ों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, कुछ तस्वीरों में वे घुड़सवारी सीखते हुए भी दिख रही हैं। सौम्या ने लिखा, पहला दिन और पहली घुड़सवारी की क्लास। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें बचपन से ही घोड़े बहुत पसंद रहे हैं। उन्होंने लिखा, घोड़े बहुत सुंदर और नाजुक जानवर होते हैं। मैं हमेशा उनसे आकर्षित रही हूं। मैं बचपन में एक बड़े फार्म का सपना देखती थी, जहां खूबसूरत घोड़े और कुत्ते हों। मैं खुद उन घोड़ों पर सवारी करते हुए खुद को देखती थी। सौम्या ने लिखा, पहला दिन थोड़ा मुश्किल रहा, लेकिन मैंने घुड़सवारी सीखना शुरू कर दिया है, तो पहला दिन काफी खतरनाक और थकाऊ था। मेरी पीठ में दर्द हो रहा है, लेकिन इस क्लास में मुझे एक नया दोस्त मिल गया। वह दोस्त है एक सुंदर सफेद घोड़ा, जिसका नाम बादशाह है। सौम्या ने मजाकिया अंदाज में बताते हुए लिखा, मैंने बादशाह से बहुत बातें कीं। सच कहूं तो वह बहुत अच्छा सुनने वाला था या शायद उसके पास और कोई चारा नहीं था, लेकिन उसने मेरी सारी बातें ध्यान से सुनीं। मुझे लगता है कि हमारे बीच एक खास कनेक्शन बन गया है। हम अच्छे दोस्त बन गए हैं। अंत में सौम्या ने लिखा, फिर मिलेंगे बादशाह, जल्दी ही। उम्मीद है एक दिन हम साथ में घोड़ी चलाएंगे और तेज दौड़ लगाएंगे।

चार्मिंग स्टार शारवा, मालविका नायर की फिल्म बाइकर का ट्रेलर रिलीज

आकर्षक स्टार शरवा अभिलाष रेड्डी द्वारा निर्देशित और यूवी क्रिएशन्स द्वारा निर्मित हाई-ऑक्टेन रेसिंग ड्रामा बाइकर की रिलीज के लिए तैयार हैं। भारत की पहली पूर्ण-स्तरीय मोटोक्रॉस एडवेंचर फिल्म के रूप में प्रचारित, जिसमें एक मजबूत भावनात्मक पहलू भी शामिल है, यह फिल्म 3 अप्रैल को सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है। टीम ने डॉल्बी सिनेमा, ईपीआईक्यू, 4डीएक्स और पीसीएक्स सहित प्रीमियम फॉर्मेट में भव्य रिलीज की भी पुष्टि की है, जिससे इस एक्शन से भरपूर फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। झलकियाँ, गाने और अन्य प्रचार सामग्री के माध्यम से जबरदस्त चर्चा बटोरने के बाद, निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर जारी कर दिया है। ट्रेलर शुरू होते ही सब कुछ साफ हो जाता है। इसकी शुरुआत एक विदेशी स्पोर्ट्स एंकर के इस सवाल से होती है कि क्या भारतीय रेसर वैश्विक प्रतिभाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। यहीं से विक्की को एक ऐसे राइडर के रूप में पेश किया जाता है जो अनुशासन से गढ़ा गया है, लेकिन साथ ही अनसुलझे संघर्षों से भी घिरा हुआ है। उसकी सबसे कठिन लड़ाई ट्रैक पर नहीं, बल्कि उस व्यक्ति से है जिसने उसे पाला-पोसा और प्रशिक्षित किया – उसके पिता से। उनके बीच का तनावपूर्ण रिश्ता ही कहानी का भावनात्मक तूफान बन जाता है। शारवा ने इस भूमिका में पूरी निष्ठा के साथ खुद को ढाल लिया है। दुबले-पतले, चुस्त-दुरुस्त और जोशीले अंदाज में, उन्होंने एक रेसर की शारीरिक कुशलता को बखूबी दर्शाया है, साथ ही एक ऐसे बेटे की भावनात्मक गहराई को भी बखूबी पेश किया है जो खुद को साबित करने के लिए बेताब है। उनका अभिनय सहजता से विस्फोटक तीव्रता और शांत संवेदनशीलता के बीच बदलता रहता है। राजशेखर ने एक सख्त पिता-मार्गदर्शक के रूप में दमदार भूमिका निभाई है और उनकी वापसी में उन्हें इस तरह की गहन भूमिका में देखना अच्छा लगता है। मालविका नायर ने विक्की की उथल-पुथल भरी दुनिया में शांति का भाव दिखाया है। अतुल कुलकर्णी ने नकारात्मक पहलुओं से भरपूर भूमिका निभाई है। पूरी कास्ट ने मिलकर एक ऐसा ड्रामा रचा है जो अंतरंगता और रोमांच से भरपूर दोनों ही पहलुओं को दर्शाता है। ट्रेलर बेहद आकर्षक है। जे युवराज की सिनेमैटोग्राफी ने मोटोक्रॉस की धूल, खतरे और रफ्तार को बखूबी कैद किया है, वहीं घिब्रान का दमदार संगीत हर रेस को रोमांच से भर देता है। यूवी क्रिएशन्स की निर्माण कुशलता हर फ्रेम में झलकती है – भव्य, प्रभावशाली और सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार। ब्रेक नहीं, सिर्फ टक्कर, बाइकर का ट्रेलर एक हाई-वोल्टेज रोमांच का वादा करता है जो आम स्पोर्ट्स ड्रामा से बिल्कुल अलग है। ट्रेलर ने फिल्म के प्रति उम्मीदों को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। 4डीएक्स में ट्रेलर देखने वाले मीडियाकर्मी इसके विश्व स्तरीय दृश्यों और बेहतरीन साउंड डिज़ाइन से मंत्रमुग्ध हो गए।

टोविनो थॉमस की फिल्म पल्लीचट्टाम्बी का टीज़र रिलीज़

10 अप्रैल को दुनिया भर में भव्य रूप से सिनेमाघरों में रिलीज़

पल्लीचट्टाम्बी एक बड़े बजट की फिल्म है जिसमें मलयालम स्टार तोविनो थॉमस मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्माण नौफल, बृजेश, चाणुक्य, चैतन्य और चरण वर्ल्डवाइड फिल्म्स और सी क्यूब ब्रदर्स एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले कर रहे हैं। इसका निर्देशन दिजो जोस एंटनी ने किया है और कायादु लोहार मुख्य अभिनेत्री की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म को अखिल भारतीय स्तर पर अपार उम्मीदें हैं। यह प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट 10 अप्रैल को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भव्य रूप से सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है।फिल्म पल्लीचट्टांबी का टीज़र आज रिलीज़ हुआ। इसकी शुरुआत एक प्रसिद्ध प्राचीन गिरजाघर के आकर्षक दृश्य से होती है। टीज़र में इस पवित्र स्थान पर मंडरा रही बुरी शक्तियों का संकेत मिलता है, जो निर्दोष लोगों को प्रताड़ित कर रहे शैतानी तत्वों को दर्शाती हैं। संवाद फिल्म के मूल संघर्ष और कहानी को लेकर उत्सुकता जगाते हैं। नायक का गिरजाघर और निर्दोष लोगों की रक्षा का संघर्ष टीज़र का मुख्य आकर्षण है। 1950 और 60 के दशक पर आधारित इस पीरियड फिल्म में टोविनो थॉमस एक बिल्कुल नए और प्रभावशाली अंदाज में नज़र आते हैं।

बच्चों में जल्दी उठने की आदत डालने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, बनेंगे अनुशासित

बच्चों में जल्दी उठने की आदत डालना एक अहम कदम है, जो उनके जीवन को व्यवस्थित और उत्पादक बना सकता है। यह आदत न केवल उनके शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक विकास में भी मदद करती है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीकों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप अपने बच्चों को सुबह जल्दी उठने की आदत डाल सकते हैं। इसकी मदद से वे ज्यादा अनुशासित भी बन सकेंगे।

सोने का समय तय करें : बच्चों को जल्दी उठाने के लिए सबसे पहले उन्हें सोने का एक निश्चित समय बताएं। यह समय ऐसा होना चाहिए, जो उनके लिए आरामदायक हो और वे उसे आसानी से अपना सकें। उदाहरण के लिए, अगर आपका बच्चा रात 9 बजे सोने जाता है तो सुबह 6 बजे उठने का समय तय करें। इस तरह बच्चे का शरीर एक नियमित चक्र में आ जाएगा और वे खुद-ब-खुद जल्दी उठने की आदत डाल लेंगे।

बिस्तर तैयार रखें : बिस्तर हमेशा साफ-सुथरा और आरामदायक रखें, ताकि बच्चा जब भी सोने जाए तो उसे एक सुखद अनुभव मिले। इसके अलावा बिस्तर पर सोने से पहले आरामदायक तकिये और चादरें रखें, जिससे बच्चे को अच्छी नींद मिल सके। यह भी सुनिश्चित करें कि कमरे का तापमान सही हो और रोशनी कम हो, ताकि बच्चा आसानी से सो सके। इसके साथ ही कमरे में शांति बनाए रखें, ताकि बच्चे को सोने

में कोई बाधा न हो।

अलार्म लगाएंः बच्चों के लिए अलार्म घड़ी लगाएं, जो उन्हें समय पर उठने में मदद करेगी। आजकल बाजार में कई तरह की स्मार्ट घड़ियां उपलब्ध हैं, जिनमें अलार्म का विकल्प होता है। आप इन घड़ियों को सेट करके बच्चे को समय पर उठने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इसके अलावा आप मोबाइल ऐप का भी उपयोग कर सकते हैं, जो बच्चों को सुबह जल्दी उठने की याद दिलाते हैं। कुछ समय बाद वे बिना अलार्म के भी समय पर उठ जाएंगे।

सुबह की गतिविधियां शामिल करेंः सुबह उठते ही बच्चों को कुछ हल्की-फुल्की कसरत या योग करवाएं। इससे उनका शरीर सक्रिय रहेगा और वे ताजगी महसूस करेंगे। आप उन्हें पार्क ले जा सकते हैं या घर पर ही कुछ सरल योगासन सिखा सकते हैं। इसके अलावा आप उन्हें कुछ खेल खेलने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जैसे दौड़ना, कूदना या बॉल खेलना। इससे उनका मनोबल बढ़ेगा और वे दिनभर ऊर्जा से भरे रहेंगे।

सकारात्मक प्रोत्साहन दें :

बच्चों को जल्दी उठने पर सकारात्मक प्रोत्साहन दें, ताकि वे इस आदत को बनाए रख सकें। आप उन्हें उनकी पसंदीदा चीजें देकर या उनके साथ खेलकर यह कर सकते हैं। इसके अलावा अगर बच्चा समय पर उठता है तो उसे कोई छोटा-सा इनाम दें, जैसे उसकी पसंदीदा किताब या खिलौना। इससे बच्चे को यह महसूस होगा कि जल्दी उठना अच्छा है और वह इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकेगा।

रेड स्टाइलिश ड्रेस में रकुल प्रीत ने दिखाईं अदाएं, फैंस बोले- खूबसूरत

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनके हर एक अंदाज को देखकर इंटरनेट पर सनसनी मच जाती है। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत ने आज इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट लुक शेयर किया हैं। इस नए लुक अभिनेत्री रकुल प्रीत रेड ड्रेस में सिजलिंग पोज देती नजर आ रही हैं। रकुल का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा हैं। रकुल फिल्म पति पत्नी और वह 2 में नजर आएंगी। पति पत्नी और वह 2 एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म हैं। पति पत्नी और वह 2 में आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत मुख्य भुमिकाओं में नजर आएंगे। पति पत्नी और वह 2 का निर्देशन मुदस्सर अजीज कर रहे हैं। पति पत्नी और वह 2 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपने लेटेस्ट लुक शेयर कर अक्सर फैंस के दिलों पर खंजर चला देती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। साथ ही फैंस उनके हॉट लुक को देखकर तारीफ करते नहीं थकते हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

Delhi continues to struggle with single-use plastic ban compliance

New Delhi, Agency: Three years after enforcing a nationwide ban on select single-use plastic (SUP) items, the capital continues to struggle with compliance. A new study has revealed widespread violations across the city. According to a report by environmental group Toxics Link, titled Revisiting Single Use Plastic Ban, that highlights major gaps in enforcement and calls for urgent nationwide action to strengthen implementation, banned plastic products were found in 86% of surveyed locations in Delhi, raising serious concerns about enforcement and behavioural change.

The study, conducted between April and Aug 2025 across 140 sites in Delhi, paints a stark picture of the ground reality.

From bustling street markets to transport hubs and religious sites, SUP items such as carry bags, plastic cutlery, cups and straws remain deeply entrenched in daily commerce.

The findings reflect a broader national trend, with an average 84% non-compliance across four major cities, Bhubaneshwar, Guwahati, Mumbai and Delhi.The Centre's SUP ban, announced on July 1, 2022, prohibited the manufacture, sale and use of 19 low-utility, high-litter plastic items. The move was aimed at curbing plastic pollution, which has severe environmental and health consequences, including microplastic contamination and ecosystem damage.

The Delhi findings suggest that policy intent has not translated into practice.

In the capital, compliance varied sharply across sectors. Organised retail spaces such as malls showed near-total adherence. However, the informal sector - such as street vendors, food stalls, juice sellers and weekly markets -- recorded nearly 100% lack of compliance. This divide highlights a structural enforcement gap as smaller vendors often operate beyond the consistent reach of regulatory checks.

The persistence of SUPs is not due to a lack of alternatives. Items such as paper cups and plates, newspaper wrappers, wooden cutlery, steel utensils, aluminium foil containers, bagasse plates, cloth bags and thicker reusable plastic bags above 120 microns are available in many locations. Yet, adoption remains limited. Vendors cited higher costs and strong consumer demand for plastic carry bags as major barriers. In fact, a significant proportion of vendors reported that customers still expect free plastic bags, reinforcing continued use.

"The continued presence of banned plastic items in the majority of locations suggests that enforcement remains inconsistent," said Ravi Agarwal, director of Toxics Link.

Delhi fire: 4 jump from first floor, 4 rescued as blaze erupts in residential building

New Delhi, Agency: Four members of a family were rescued by firefighters while four others, including women and a child, jumped from the first floor to save themselves after a fire broke out in a residential building in north-east Delhi's Dayalpur on Sunday.

According to Delhi Fire Service, a call regarding the fire was received at around 3.50am. The blaze is suspected to have started in the parking area on the ground floor, where two scooters and a motorcycle caught fire. The resulting smoke rapidly spread to the upper floors of the building, which comprises a ground floor and five storeys and is built over an area of approximately 50 square yards. Before the arrival of fire tenders, four persons - Nikhat (22), Rashida (50), Soni (25) and a two-year-old child, Ashif - jumped from the first floor in an attempt to escape the smoke. They were taken to Jag Pravesh Chand Hospital, where they received first aid for minor injuries and were later discharged.

Meanwhile, Delhi Fire Service personnel carried out rescue operations and safely evacuated four occupants-Suved (12), Duved (10), Aarifa (28) and Farah (14) - from the upper floors, including the second, third and fourth floors.

The fire was brought under control by 6.20am. DFS officials said that the fire was mainly near the staircase and it was the smoke that trapped the residents above.

QR code drive to track out-of-school kids hits roadblock

New Delhi, Agency: A QR code-based initiative launched by Samagra Shiksha Delhi was designed to simplify and accelerate the identification and enrolment of out-of-school children. The concept was straightforward and impactful. By scanning a QR code placed on posters, walls or digital platforms, any individual, be it a concerned citizen, teacher, or volunteer, could directly report details of a child not attending school. This information would then be transmitted to relevant authorities, triggering a structured response to bring the child back into the formal education system. In its initial phase, the initiative demonstrated considerable promise, successfully completing a couple of cycles of data collection and generating meaningful public participation.

However, the programme soon faced a significant hurdle that stalled its progress. Officials revealed that the directorate of education's (DoE) website remained non-functional for nearly two months due to ongoing revamp work.

Since the entire reporting and tracking mechanism depended on this digital infrastructure, the outage brought operations to a near standstill. "As the website was down and everything is recorded on it, this led to a halt in the progress of the project," an official said. The interruption raised concerns about the system's sustainability and reliability, especially given that Samagra Shiksha efforts typically help reintegrate over 10,000 children into the education system each year through various methods. Officials emphasised that the QR code initiative is a crucial extension of these efforts and needs to be streamlined for greater impact. DoE officials said the website is now operational again, equipped with enhanced features following the upgrade. With the technical issues addressed, authorities are now working to revive the project, which was launched in May last year. The renewed focus is on overcoming earlier challenges and restoring momentum to ensure that no child is left out of school due to systemic delays.

The system remains simple and accessible. Once a QR code is scanned, users are directed to an online form where they can put in essential details like a child's location, approximate age, possible reasons for being out of school, such as child labour or begging, and their own contact information. Upon submission, the report is automatically shared with Samagra Shiksha officials, enabling a swift response. Following this, authorities visit the reported location to verify the information, assess the child's circumstances and intervene.

Nirbhaya Fund powers CCTV cover, pink e-autos at Namo Bharat stations

New Delhi, Agency: The National Capital Region Transport Corporation (NCRTC), which is executing the Delhi-Ghaziabad-Meerut RRTS corridor, is installing 250 CCTV cameras and LED streetlights outside Namo Bharat stations using the Nirbhaya Fund to ensure safer access. It will also procure pink e-autos operated by women to strengthen last-mile connectivity.

NCRTC, which received Rs 5 crore from the Nirbhaya Fund in the current financial year, has also launched a gender sensitisation campaign titled 'Aakankshaon Ke Pankh'. The campaign was formally launched at the Sarai Kale Khan Namo Bharat station on Tuesday and aims to raise awareness on women's safety while highlighting measures undertaken across the Namo Bharat system to provide a secure travel environment.

An NCRTC official said that CCTV cameras are already installed inside trains and station premises. "Of the 250 CCTV cameras planned outside stations, installation has been completed at some locations, including Sarai Kale Khan in Delhi and stations in Meerut such as Begumpul, Brahmpuri, Meerut North and Rithani," the official said, adding, LED streetlights have been installed outside all stations along the Delhi-Ghaziabad-Meerut corridor to reduce blind spots. For last-mile connectivity, the Nirbhaya Fund will be used to deploy pink e-autos driven by women from Namo Bharat stations. Currently, similar services are operational at several metro stations.

Other measures include an SOS feature on the 'Namo Bharat Connect' mobile app, a dedicated women's safety helpline and awareness initiatives through films, nukkad nataks, workshops and community engagement activities. A 'Gratitude Wall' was inaugurated at the Sarai Kale Khan station, inviting commuters to share handwritten notes recognising women who have influenced their lives. The wall will remain at the station for the coming months to encourage public participation, the official said.

Speaking at the campaign launch, NCRTC managing director Shalabh Goel said the five-year initiative aims to build awareness and encourage social participation to ensure a safe and reliable commute for women across the Namo Bharat system.

PWD plans feasibility study for 900-meter road beneath metro viaduct in south Delhi

New Delhi, Agency: A proposed road link beneath a metro viaduct in south Delhi could significantly improve last-mile connectivity in a densely populated and often congested part of the city.The Public Works Department (PWD) has initiated the process to construct a road connecting Maa Anandmayee Marg to Harkesh Nagar metro station, a stretch that serves both residential areas and key transit routes.

According to project documents, the proposal involves preparing a detailed project report (DPR) for a nearly 900-metre road to be built beneath the metro viaduct.

While relatively short, the stretch is strategically important. Maa Anandmayee Marg is a major arterial road linking south Delhi to Faridabad, while Harkesh Nagar metro station on the violet line serves as a crucial access point for daily commuters from nearby areas such as Okhla, Tughlakabad and surrounding industrial zones.

ICMR-NIN completes world's largest nutrition, biomarker survey

New Delhi, Agency: The Indian Council of Medical Research-National Institute of Nutrition (ICMR-NIN) has completed one of the world's largest nutrition and biomarker surveys, covering 2.6 lakh individuals across 183 districts and generating nationally representative data on diet, physical activity, anaemia and overall nutritional status.

The survey, titled SAMPADA (Survey for Assessment of Markets of Population Health, Activity Diet and Anthropometry), was started in 2023 and completed in 2025. The data collected are currently being analysed.

The exercise is crucial for generating region-specific data on diet, nutrition, and health, and identifying hidden forms of malnutrition and micronutrient deficiencies. This would help policymakers in making informed decisions and designing targeted interventions to address both undernutrition and the growing burden of non-communicable diseases in India.

The survey, spearheaded by ICMR-NIN, is first of its kind Diet and Biomarkers Survey of India (DABS-I), making it a landmark initiative. Officials said that, unlike earlier dietary surveys that mainly relied on self-reported food consumption, DABS-I combines detailed dietary assessment with biological samples, like blood and urine biomarkers, to provide more accurate and scientific evidence of nutritional status.

"More than 81,000 households were surveyed. Unlike previous surveys which focussed on special age groups, physiological categories, or urban and rural population or some states, the SAMPADA study covered all age groups, physiological categories from all states and union territories," she said.

She added that anaemia presence was estimated using venous blood sampling, with 1.76 lakh blood samples collected. Dietary intake data were also analysed.

LG makes impromptu CP visit, interacts with public, stresses on people-centric governance

New Delhi, Agency: Delhi lieutenant governor TS Sandhu on Sunday made an impromptu visit to Connaught Place, where he interacted with people from different walks of life, particularly youths and professionals. According to LG House officials, the visit was unplanned and aimed at engaging with people in an informal setting to understand their concerns and aspirations.

During the visit, Sandhu queued up at the popular Jain Chawal Wale outlet, where he bought kadhi chawal and ate alongside people there, while speaking to them about issues related to livelihood, career and civic challenges. He later walked to Keventer's for a milkshake, continuing his interactions with people who had gathered in the area from various parts of the city.

Delhi Waits for More Hospital Beds as 11 Projects On Pause

New Delhi, Agency: Delhi's ambitious hospital expansion plan has hit a prolonged roadblock, with 11 major projects stalled since 2023, leaving over 10,000 beds stuck in the pipeline.

Large hospitals such as GTB, Raghubir Nagar and Shalimar Bagh - each with about 1,500 beds - have remained that way since July 2023, primarily due to pending approvals of revised cost estimates and funding constraints, details in the Economic Survey 2025-26 have shown.

Mid-sized hospitals in Madipur, Nangloi (Jwalapuri) and Sultanpuri, each with 500-700 beds, are facing similar delays. In some cases, projects have been held up since early 2023 due to pending decisions on adding extra floors, while others were stalled for months in 2024 for the lack of budget allocation. Construction at Vikaspuri resumed only in Jan 2025 after funds were released following a nearly year-long halt.

The projects were initiated under AAP govt with the aim of significantly expanding public healthcare capacity. However, administrative bottlenecks, funding gaps, design revisions and inter-departmental approvals slowed progress.

The capacity expansion is needed because according to the recommendations of the World Health Organization (WHO), the recommended bed population ratio is 5 beds per a population of 1,000. However, the bed population ratio in Delhi in 2025-26 has remained at 2.84 which is much below the WHO norm.According to official data, several projects are nearing completion but remain idle. Siraspur hospital, with over 1,100 beds, has crossed 75% completion and is at the finishing stage, but is awaiting approval for furniture and equipment. Shalimar Bagh and Sultanpuri hospitals have largely completed structural and finishing work but are stuck pending revised estimates.

At Sarita Vihar, the project was redesigned from an ICU facility into a mother-and-child hospital, delaying completion further. Technical challenges have also played a role. At Kirari, the project required a shift to pile foundation due to soil liquefaction risks, while at multiple sites, redesigns and scope changes have led to cost escalations and fresh approvals.

The delays come at a time when Delhi continues to face pressure on its healthcare infrastructure. While the number of medical institutions in the city has grown by nearly 13% since 2019-20 - driven by an increase in dispensaries, polyclinics and specialised centres - the number of hospitals has remained unchanged.

At present, Delhi govt provides healthcare services through 40 hospitals, 370 Aayushman Arogya Mandirs, 98 dispensaries, 48 polyclinics and several AYUSH facilities, along with mobile clinics and school health programmes.

However, officials acknowledge that major hospitals continue to bear the main patient load.

Land scarcity, multiplicity of agencies and shortage of experienced manpower have also been cited as challenges that have slowed the pace of new infrastructure. An official said govt is committed to completing long-pending projects. "In the budget, a total allocation of Rs 13,034 crore has been made for the health department which reflect govt's firm commitment to ensuring accessible, affordable healthcare.